सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
You Tube
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 34, नई दिल्ली । मंगलवार, 16 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने छोटे-छोटे कामों में भी अपने दिल ,दिमाग और आत्मा को लगा दीजिए, यही सफलता का रहस्य है ।

03 महापौर चुनाव के लिए आप ने पार्षदों की घेराबंदी, उम्मीदवारों की रेस में ये नाम आगे
06 अफस्पा हटाने से पहले अमन की शमां जले
08 भाजपा की सरकार ने दिया चम्बल परियोजना को मूर्त रूपः अग्रवाल

निर्भया हादसा दिल्ली परिवहन विभाग के आला अधिकारी के अलावा शायद ही कोई भुला हो या भुला सकता हो...

संजय बाटला

नई दिल्ली। यह एक बहुत बड़ा सच है कि दिल्ली की वाहनों में सुरक्षा और विश्वसनीय सफर के प्रति निर्भया हादसे पर पूर्ण भारत देश की जनता द्वारा विरोध प्रदर्शन करने पर गृह मंत्री सचिव के नेतृत्व में उच्चस्तरीय कमेटी गठित की गई थी और उस कमेटी द्वारा कई दिशा निर्देश जारी किए थे जिन्हे परिवहन विभाग के आला अधिकारियों ने शायद आग में झोंक दिया और उसके बारे में भुल कर बैठ गए। उस कमेटी द्वारा दिए गए एक निर्देश को जिसे कुछ समय बाद उच्च न्यायालय में उषा मेहरा की बेंच ने जारी किया को सिर्फ अपने विभाग और विभाग के साथ 50% साझेदारी वाली कम्पनी के लिए कमाई का साधन बना कर रख दिया पर दिल्ली की महिलाओं को सुरक्षा और विश्वसनीय सफर देने की तरफ़ कभी सोचा ही नहीं। यहां दिल्ली की जनता को एक और विशेष बात से अवगत करवाना भी हमारा कर्तव्य है की दिल्ली सरकार / परिवहन विभाग ने पैनिक बटन निगरानी सेंटर नहीं बनाया पर उसके नाम से राजस्व में इज़ाफा करने का कार्य बेखौफ कर रहा है, उसी परिवहन विभाग को 2023 में भारत सरकार से पैनिक बटन निगरानी सेंटर बनाने के लिए 8 करोड़ रुपए मिले और विभाग द्वारा यह पैसे मिलने के बाद भी पैनिक बटन निगरानी सेंटर आज तक शुरू करने का मन नहीं बनाया, आख़िर क्यों ? कही ऐसा तो नहीं पैनिक बटन निगरानी सेंटर बनने के बाद वाहन मालिकों से निगरानी के नाम पर जो परिवहन विभाग लूट कर रहा है वह लूट बंद हो जाएगी और साथ ही दिल्ली की महिलाओं को सुरक्षा प्राप्त करने का सही माध्यम मिल जाएगा।

आप इस प्रक्रिया को क्या कहेंगे ?

संजय बाटला

1. सुप्रीम कोर्ट ने कहा दिल्ली में डीजल के 10 साल पूरे कर चुके डीजल वाहन और 15 साल पूरे कर चुके अन्य वाहन दिल्ली की सड़को पर नही चलेंगे,

उसके बाद सड़क परिवहन और राजमार्ग द्वारा जारी गैजेट नोटिफिकेशन में कहा गया कि जो वाहन अपनी निर्धारित समय सीमा पूरी कर चूके है उन्हे अपने वाहनों की फिटनेस करवानी होगी (जांच केन्द्र में जांच करवानी होगी) और सही पाए जाने पर 5 वर्ष के लिए पुनः पंजीकरण प्राप्त कर सड़को पर चला सकते है।

पर दिल्ली परिवहन विभाग ने पूराने जारी सुप्रीम कोर्ट को ही लागू रखा

2. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवानी जरुरी है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय गैजेट नोटिफिकेशन में साफ किया की कोई भी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट बनाने वाले से वाहन मालिक अपने वाहन पर प्लेट लगवा सकते है और दिल्ली परिवहन विभाग ने कम कीमत पर वाहन प्लेट प्रदान करने वालो को आज्ञा ना देकर

सिर्फ एक कम्पनी को दिल्ली के वाहनों पर इजाजत देकर जनता को महंगे दामों पर नबर प्लेट लगवाने के लिए मजबूर किया।

3. गृह मंत्री सचिव कमेटी एवम् उच्च न्यायालय में उषा मेहरा द्वारा जारी दिशा निर्देश ₹दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधियों में सार्वजनिक सवारी सेवा में चलने वाले सभी वाहनों में जीपीएस/वीएलटीडी/पैनिक बटन अनिवार्य है पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी गैजेट नोटिफिकेशन के अंतर्गत तीन पहिया वाहन को जीपीएस/वीएलटीडी/ पैनिक बटन से मुक्त रखा जाता हैं,

परिवहन विभाग द्वारा तीन पहिया वाहनों को गैजेट नोटिफिकेशन के आधार पर 2020 में इससे मुक्त कर दिया।

ऐसे और भी बहुत से माननीय सर्वोच्च न्यायालय/ उच्च न्यायालय के दिशा निर्देश और सड़क परिवहन और राजमार्ग के गैजेट नोटिफिकेशन जारी हुए हैं जिनमे परिवहन विभाग को जो अपनी इच्छा में पसन्द आया उस आदेश को दिल्ली में लागू किया।

कही न्यायालय के दिशा निर्देश की अवहेलना कही सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के दिशा निर्देश की अवहेलना वह भी परिवहन विभाग के आला अधिकारी की अपनी इच्छा के अनुसार अब आप ही बताइए की आप परिवहन विभाग के आला अधिकारी की कार्यशैली और प्रक्रिया को क्या मानते हैं ?

रक्षात्मक ड्राइविंग में महारत हासिल करना: संभावित खतरों का अनुमान लगाना और उनका जवाब देना -डॉ अंकुर शरण, सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ

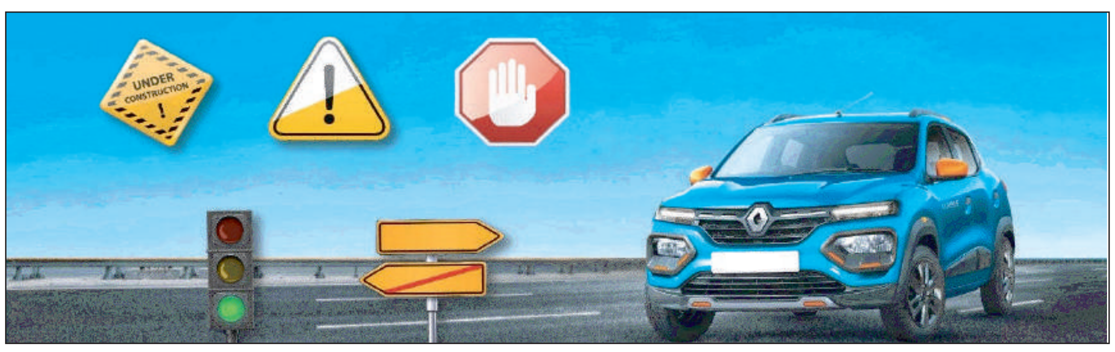

रक्षात्मक ड्राइविंग केवल यातायात कानूनों का पालन करने से कहीं अधिक है; यह एक मानसिकता है जो सड़क पर लोगों की जान बचा सकती है। संक्षेप में, यह प्रतिक्रियाशील होने के बजाय सक्रिय होने, संभावित खतरों का घटित होने से पहले ही अनुमान लगाने और उनसे बचने के लिए उचित कार्रवाई करने के बारे में है। रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकों में महारत हासिल करके, ड्राइवर दुर्घटनाओं के जोखिम को काफी कम कर सकते हैं और सड़क पर अपनी और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। रक्षात्मक ड्राइविंग के मूलभूत सिद्धांतों में से एक स्थितिजन्य जागरूकता बनाए रखना है। इसका मतलब है कि आगे की सड़क को लगातार स्कैन करना, नियमित रूप से शीशों की जाँच करना और अन्य ड्राइवरों की गतिविधियों के प्रति सचेत रहना। अपने परिवेश के प्रति सतर्क और जागरूक रहकर, आप संभावित खतरों जैसे अनियमित ड्राइवरों, अप्रत्याशित रूप से पैदल चलने वालों, या सड़क की स्थिति में अचानक बदलाव को देख सकते हैं। रक्षात्मक ड्राइविंग का एक अन्य प्रमुख पहलू सुरक्षित दूरी बनाए रखना है। अपने वाहन और अपने सामने वाले वाहन के बीच पर्याप्त दूरी रखकर, आप जरूरत पड़ने पर प्रतिक्रिया करने के लिए खुद को अधिक समय प्रदान करते हैं। सामान्य नियम यह है कि अपने सामने वाले वाहन से कम से कम दो सेकंड की दूरी बनाए रखें, और प्रतिकूल मौसम की स्थिति में या उच्च गति पर इससे भी अधिक दूरी बनाए रखें। इसके अलावा, रक्षात्मक ड्राइवर अप्रत्याशित स्थितियों पर तेजी से प्रतिक्रिया करने के लिए तैयार रहते हैं। इसमें यह जानना शामिल है कि अचानक ब्रेक लगाना, बाधाओं से बचने के लिए घूमना, या यदि आवश्यक हो तो सुरक्षित रूप से सड़क के किनारे हटना जैसे टालमटोल वाले पैंतरे कैसे निष्पादित करें। इन युद्धाभ्यासों का नियंत्रित वातावरण में अभ्यास करना आवश्यक है ताकि आपात स्थिति में वे दूसरी प्रकृति बन जाएं। रक्षात्मक ड्राइविंग में प्रभावी संचार भी महत्वपूर्ण है। आवश्यकता पड़ने पर टर्न सिग्नल, हेडलाइट्स और हॉर्न का उपयोग करने से अन्य ड्राइवरों को आपके इरादों के बारे में सचेत करने और गलतफहमी से बचने में मदद मिल सकती है जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। रक्षात्मक ड्राइविंग एक ऐसा कौशल है जिसके लिए अभ्यास, जागरूकता और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकों में महारत हासिल करके, ड्राइवर सड़क पर अधिक आत्मविश्वासी और सक्षम बन सकते हैं, दुर्घटनाओं की संभावना को कम कर सकते हैं और सभी के लिए सुरक्षित ड्राइविंग वातावरण में योगदान कर सकते हैं। याद रखें, यह केवल आपके गंतव्य तक पहुंचने के बारे में नहीं है - यह वहां सुरक्षित रूप से पहुंचने के बारे में है।

स्टॉप लाइन पर 'ब्रेक' नहीं लगा पा रही दिल्ली

बीते साढ़े तीन महीने में एक लाख से अधिक वाहनों पर हुई कार्रवाई

स्टॉप लाइन उल्लंघन में वाहन चालक यातायात सिग्नल पर निर्दिष्ट स्टॉप लाइनों की उपेक्षा करते हैं। दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा स्टाप लाइन उल्लंघन के विरुद्ध एक जनवरी से 31 मार्च तक विशेष अभियान में 126084 वाहन चालकों के चालान किए गए जबकि 2023 में इस अवधि में यह आंकड़ा 105317 था। इस वर्ष स्टॉप लाइन उल्लंघन के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

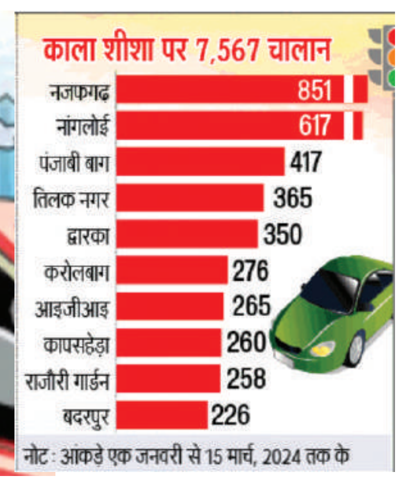

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। 2024 की पहली तिमाही में दिल्ली के विभिन्न चौराहों पर स्टॉप लाइन उल्लंघन के मामले बढ़ते जा रहे हैं। स्टॉप लाइन उल्लंघन में वाहन चालक यातायात सिग्नल पर निर्दिष्ट स्टॉप लाइनों की उपेक्षा करते हैं।

दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा स्टाप लाइन उल्लंघन के विरुद्ध एक जनवरी से 31 मार्च तक विशेष अभियान में 1,26,084 वाहन चालकों के चालान किए गए, जबकि 2023 में इस अवधि में यह आंकड़ा 1,05,317 था।

पिछले साल की तुलना में इस वर्ष स्टॉप लाइन उल्लंघन के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सबसे ज्यादा मामले डिफेंस कॉलोनी में सामने आए हैं।

2024 में सबसे अधिक चालान वाले शीर्ष 10 ट्रैफिक सर्कल का विश्लेषण करने पर पाया गया कि स्टॉप लाइन का उल्लंघन न केवल मोटर चालकों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है, बल्कि यातायात के सुचारू प्रवाह को भी बाधित करता है। जिससे अनावश्यक देरी होती है और सड़कों पर भीड़भाड़ होती है।

स्टॉप लाइन उल्लंघन के मामले

20 प्रतिशत मामले बढ़े, 2023 के मुकाबले

1,26,084 वाहन चालकों के चालान जनवरी से मार्च तक में हुए इस साल

1,05,317 वाहनों के चालान पिछले साल इसी अवधि में किए गए थे

20 हजार से अधिक मामले अकेले डिफेंस कालोनी में आए, यह दिल्ली में सर्वाधिक

10 हजार से अधिक मामले मयूर विहार और सफदरजंग एन्क्लेव में सामने आए

4 हजार के करीब चालान सिविल लाइन्स में काटे गए

45 हजार से अधिक मामले दक्षिणी दिल्ली में आए

65691 वाहन चालकों के तीन महीने में नशे में गाड़ी चलाने पर चालान हुए।

पर्यावरण पाठशाला : हमारे पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में पीपल की शक्ति

अंकुर

हरे-भरे भविष्य की तलाश में, हम अक्सर पीपल (फ़िकस रिलिजियोसा) जैसे देसी पेड़ों के महत्व को नज़रअंदाज कर देते हैं। विदेशी प्रजातियों के लिए कोलाहल के बीच, साधारण पीपल बहुत सारे लाभ प्रदान करते हुए खड़ा है, जो महज सौंदर्यशास्त्र से कहीं आगे तक फैला हुआ है।

पर्यावरण के संरक्षक के रूप में, यह जरूरी है कि हम पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने में देशी पेड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानें। गैर-देशी प्रजातियों के विपरीत, पीपल जैसे देशी पेड़ स्वाभाविक रूप से स्थानीय जलवायु परिस्थितियों, मिट्टी के प्रकार और जैव विविधता के अनुकूल होते हैं, जो उन्हें हरित आवरण पहल के लिए लचीला और टिकाऊ विकल्प बनाते हैं।

पीपल के पेड़ के सबसे उल्लेखनीय गुणों में से एक शहरी परिदृश्य से लेकर ग्रामीण इलाकों तक विविध वातावरण में पनपने की इसकी क्षमता है। सड़कों के किनारे पीपल के पेड़ लगाकर, हम न केवल अपने आस-पास के दृश्य को बढ़ाते हैं, बल्कि वायु प्रदूषण से भी लड़ते हैं, मिट्टी के कटाव को कम करते हैं, और

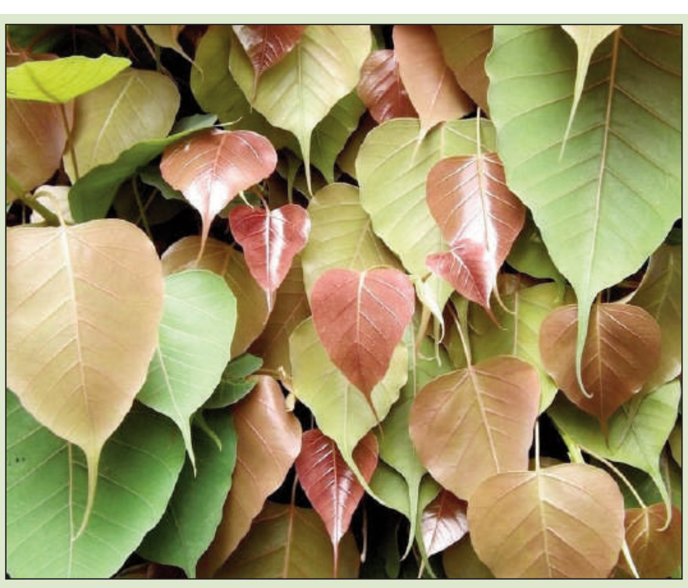

असंख्य जीवन रूपों के लिए आवश्यक छाया और आश्रय प्रदान करते हैं।

इसके अलावा, पीपल का पेड़ भारतीय उपमहाद्वीप के कई समुदायों में अत्यधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता है। 'बोधि वृक्ष' के रूप में प्रतिष्ठित, जिसके नीचे भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था, पीपल का पेड़ ज्ञान, दीर्घायु और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतीक है। अपने बीच में इन पवित्र पेड़ों का पोषण करके, हम न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हैं बल्कि प्रकृति के साथ गहरे संबंध भी बनाते हैं।

तेजी से हो रहे शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के सामने, पीपल जैसे देशी वृक्ष प्रजातियों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पहले कभी इतनी अधिक नहीं रही। हरित आवरण पहल को अपना ध्यान सजावटी विदेशी वस्तुओं से हटाकर स्वदेशी खजानों पर केंद्रित करना चाहिए जो बदलती जलवायु की चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं।

सड़कों के किनारे पीपल के पेड़ों का रोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण का एक कार्य है, बल्कि स्थिरता, सांस्कृतिक संरक्षण और समग्र कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक गहरा प्रमाण है। आइए हम अपने पूर्वजों के ज्ञान को अपनाएं और एक हरे, भविष्य के लिए एक समय में एक पीपल का पेड़ लगाएं।

कानून के अनुसार फायर ब्रिगेड से एनओसी आवश्यक है पर ???

क्या आप जानते हैं भारत देश में एक ऐसा मन्दिर है जो दिन में दो बार हो जाता हैं लुप्त

मंदिर गुजरात की राजधानी गांधीनगर से करीब 175 किमी दूर जंबूसर के कवि कंबोई गांव में मौजूद है, जिसकी जादुई लीला हर दिन देखने को मिलती है। यह मंदिर भगवान शिव का स्तंभेश्वर महादेव मंदिर है, जो 150 साल पुराना बताया जाता है। यह मंदिर अरब सागर और खंभात की खाड़ी से घिरा हुआ है, जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। शिवपुराण के अनुसार तारकासुर नामक राक्षस ने भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए बहुत तपस्या की थी। भगवान तारकासुर की तपस्या से प्रसन्न हुए और उसे बदले में कोई भी वरदान मांगने को कहा। तारकासुर ने भगवान से वरदान मांगा कि उसे शिव के पुत्र के अलावा कोई नहीं मार सके, लेकिन इस दौरान उसके पुत्र की आयु 6 दिन से अधिक नहीं होनी चाहिए। महादेव ने तारकासुर को यह वरदान दे दिया। वरदान प्राप्त करने के बाद राक्षस ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया। ऐसे में देवताओं ने भगवान शिव से उसे मारने की प्रार्थना की, जिसके बाद सफेद पर्वत कुंड से 6 दिन के कार्तिकेय का जन्म हुआ और उन्होंने राक्षस का वध किया। हालाँकि जब महादेव को इसकी खबर मिली तो उन्हें बहुत दुःख हुआ। जब कार्तिकेय को अपनी गलती का एहसास हुआ तो भगवान विष्णु ने उन्हें प्रायश्चित करने का मौका दिया। भगवान विष्णु ने उन्हें सुझाव दिया कि जहां उन्होंने असुरों का वध किया है, वहां उन्हें एक शिवलिंग स्थापित करना चाहिए। भगवान विष्णु के कहने पर कार्तिकेय ने वैसा ही किया, जिसके बाद इस मंदिर को स्तंभेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाने लगा। बहुत कम लोग जानते होंगे कि यह मंदिर सुबह और शाम दो बार समुद्र में डूब जाता है। हालाँकि इसके पीछे का कारण पूरी तरह से प्राकृतिक है। लेकिन फिर भी लोग इसे किसी आश्चर्य से कम नहीं मानते हैं। दरअसल यह मंदिर समुद्र के बीच में स्थित है। ऐसे में जब दिन में समुद्र का स्तर बढ़ता है तो मंदिर पूरी तरह से पानी में डूब जाता है। लेकिन जब पानी का स्तर कम हो जाता है तो मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है। लोगों का मानना है कि शिव को समुद्र के पानी से स्नान कराया जाता है। इसे देखने के लिए लोग सुबह से लेकर रात तक यहां रुके रहते हैं। स्तंभेश्वर महादेव मंदिर पर हर साल महाशिवरात्रि और अमावस्या पर विशाल मेला लगता है। प्रदोष-ग्यारस और पूनम जैसे दिनों में यहां रात भर पुर्जा अर्चना होती है। यहां आसपास के गांवों के अलावा दूर-दूर से श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए आते हैं, इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है भोलेनाथ के इस मंदिर की अपार लोकप्रियता। कहा जाता है कि इनके दर्शन मात्र से ही भक्तों के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। आपको बता दें कि इस मंदिर का जिक्र शिव महापुराण रुद्र संहिता भाग 2, अध्याय 11 और पेज नंबर 358 में मिलता है। यह मंदिर गुजरात के वडोदरा शहर से कुल 85 किमी की दूरी पर स्थित है। आप चाहें तो बस-ट्रेन या फ्लाइट से वडोदरा जा सकते हैं। यहां से आपको मंदिर तक पहुंचने के लिए कई साधन मिल जाएंगे। आप चाहें तो पोरबंदर-द्वारका और दिवे जैसे शहरों तक ट्रेन से भी जा सकते हैं। मंदिर के पास पार्किंग की सुविधा है। इसलिए आप चाहें तो अपने वाहन से भी मन्दिर तक पहुंच सकते हैं।

मां का रहस्यमयी मंदिर, जाने

माता कामाख्या देवी मंदिर पूरे भारत में प्रसिद्ध है। यह मंदिर 52 शक्तिपीठों में से एक है। भारत के लोग इसे अघोरियों और तांत्रिकों का गढ़ मानते हैं। यह असम की राजधानी दिसपुर से लगभग 10 किमी दूर नीलांचल पर्वत पर स्थित है। मंदिर की खास बात यह है कि यहां मां की कोई भी मूर्ति या तस्वीर नही है। यहां एक कुंड है, जो हमेशा फूलों से ढका रहता है। इस मंदिर में देवी योनि की पूजा की जाती है। यहां आज भी माताएं रजस्वला होती हैं। मंदिर से जुड़ी और भी ऐसी रहस्यमयी बातें हैं, जिन्हें जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जानते हैं कामाख्या देवी के मंदिर से जुड़ी दिलचस्प बातों के बारे में। धर्म पुराण के अनुसार भगवान विष्णु ने अपने चक्र से माता सती के 51 टुकड़े किये थे। जहां-जहां यह कटे हुए हिस्से गिरे थे वहां-वहां माता का शक्तिपीठ बन गया। पुराण के अनुसार इस स्थान पर माता की योनि गिरी थी इसलिए यहां उनकी कोई मूर्ति नहीं है बल्कि योनि की पूजा की जाती है। आज यह स्थान एक शक्तिशाली बैकवाटर है। दुर्गा पूजा, पोहान बिया, दुर्गादेउल, बसंती पूजा, मदन देउल, अंबुवासी और मनसा पूजा पर इस मंदिर की शोभा देखते ही बनती है। कहा जाता है कि कामाख्या देवी का मंदिर 22 जून से 25 जून तक बंद रहता है. मान्यता है कि इन दिनों माता सती रजस्वला होती हैं।

इन 3 दिनों में कोई भी पुरुष मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकता हैं। कहा जाता है कि इन 3 दिनों में माता के दरबार में एक सफेद कपड़ा रखा जाता जाता है जो 3 दिन में लाल हो जाता है। इस कपड़े को अम्बुवाची वस्त्र कहा जाता है। इसे भक्तों को प्रसाद के रूप में दिया जाता है. मान्यता के अनुसार इस मन्दिर के तीन बार दर्शन करने चाहिए। जो लोग इस मंदिर के तीन बार दर्शन कर लेते हैं उन्हें सांसारिक बंधनों से मुक्ति मिल जाती है। यह मंदिर तंत्र विद्या के लिए प्रसिद्ध है। इसीलिए यहां दूर-दूर से साधु-संत दर्शन के लिए आते हैं। यहां हर साल एक विशाल मेला लगता है। जिसे अम्बुवाची मेला कहा जाता है। यह मेला जून में लगता है। यह मेला उसी समय लगता है जब माता रजस्वला होती हैं। इस दौरान किसी को भी मंदिर में प्रवेश की इजाजत नहीं होती। भक्तों की मनोकामना पूरी होने पर कन्या भोजन कराया जाता है। कुछ लोग यहां जानवरों की बलि देते हैं। खास बात यह है कि यहां मादा जानवरों की बलि नहीं दी जाती। कामाख्या देवी तांत्रिकों की प्रमुख देवी हैं। उन्हें भगवान शिव की दुल्हन के रूप में पूजा जाता है। ऐसा माना जाता है कि यहां के तांत्रिक बुरी शक्तियों को बहुत आसानी से दूर कर देते हैं। यहां के साधुओं के पास एक चमत्कारी शक्ति होती है, जिसका इस्तेमाल वे बहुत सोच-समझकर करते हैं। यह स्थान तंत्र साधना के लिए भी महत्वपूर्ण स्थान है। कहा जाता है कि अगर किसी पर काला जादू हो तो मंदिर में मौजूद अघोरी और तांत्रिक उसे दूर कर देते हैं। इतना ही नहीं यहां काला जादू भी किया जाता है।

भक्ति का मान रखने के लिए भगवान शिव और भगवान राम को आपस करना पड़ा था युद्ध

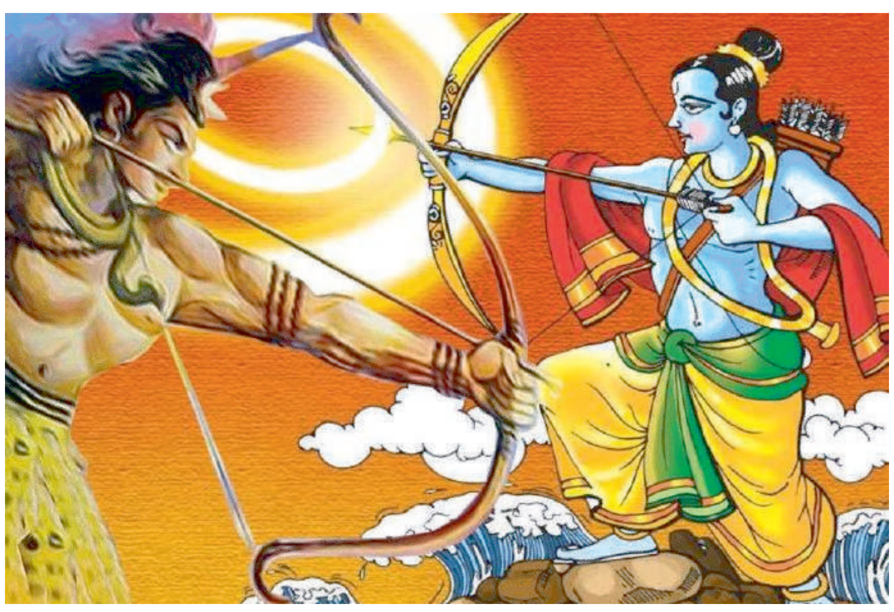

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार भगवान राम ने अश्वमेघ यज्ञ करवाया था। इस यज्ञ के दौरान अश्व जिस भी राज्य में जाता है, उस राज्य के राजा को अश्मेघ करवाने वाले राजा की श्रेष्ठता को मानना पड़ता है। अगर राजा ऐसा नहीं करता तो अश्वमेघ करवाने वाले राजा के साथ उसे युद्ध के मैदान में उतरना पड़ता है। भगवान राम का अश्व यानि घोड़ा बहुत से राज्यों में गया और वहां के राजाओं ने राम जी की श्रेष्ठता को स्वीकार किया। लेकिन जब अश्व देवपुर पहुंचा तो वहां के राजा वीरमणि के पुत्र रुक्मांगद ने अश्व को बंदी बना लिया। आपको बता दें कि जिस भी राज्य में अश्व को बंदी बनाया जाता था, इसका अर्थ होता था कि वो राजा अश्वमेघ करवाने वाले राजा की श्रेष्ठता को नहीं मानता। राजा वीरमणि को जब यह बात पता चली कि उनके पुत्र ने भगवान राम के अश्वमेघ यज्ञ के अश्व को बंदी बना लिया है तो वो बहुत अप्रसन्न हुए, क्योंकि वीरमणि भी भगवान राम को सबसे उत्तम राजा मानते थे। वीरमणि के पुत्र ने जब अश्व को बंदी बना लिया तो उसके बाद युद्ध होना स्वाभाविक हो गया ना चाहते हुए भी वीरमणि को युद्ध लड़ना पड़ा। युद्ध शुरू हुआ तो राम जी की सेना, (जिसके सेनानायक शत्रुघ्न थे) वीरमणि की सेना पर भारी पड़ने लगी। अपनी सेना को हारता देख वीरमणि ने भगवान शिव का आवाहन किया, वीरमणि को भगवान शिव का वरदान था कि वो स्वयं उनके राज्य की रक्षा करेंगे। वीरमणि की पुकार पर भगवान शिव ने अपने गणों नंदी, भृंगी और वीरभद्र को युद्ध के मैदान में भेजा। जिसके बाद वीरमणि की सेना राम जी की सेना पर हावी हो गई, वीरभद्र ने त्रिशूल से भरत के पुत्र पुष्कल का वध कर दिया साथ ही शत्रुघ्न को भी बंदी बना दिया। शत्रुघ्न के बंदी बनाए जाने और पुष्कल के मृत्यु की खबर जब राम जी को मिली तो वो भरत और लक्ष्मण के साथ युद्ध के मैदान में पहुंचे। राम जी के आते ही शिव गणों का प्रभाव कम होने लगा। राम जी की सेना एक बार फिर वीरमणि की सेना पर हावी होने लगी। जब शिव ने देखा कि उनके गण परिषद परास्त होने लगे हैं तो वो स्वयं वहां प्रकट हो गए। इसके बाद शंकर जी और श्रीराम के बीच भयंकर युद्ध की शुरुआत हुई। यह युद्ध बहुत समय तक चला अंत में राम जी ने भगवान शिव से प्राप्त पाशुपतास्त्र उन पर चला दिया जो भगवान शिव के हृदय पर जाकर लगा। भगवान शिव यही चाहते थे कि संकट की घड़ी में राम जी उनके अस्त्र का इस्तेमाल करें। पाशुपास्त्र जब शिव जी पर लगा तो वो राम जी से संतुष्ट हुए और उनसे वर मांगने को कहा। श्रीराम ने शिवजी से कहा कि, हे महाकाल इस युद्ध में जितने भी योद्धा मरे हैं वो सब जीवित हो जाएं। इसके बाद सारे योद्धा जीवित हुए और युद्ध समाप्त हुआ।

पौधे का धार्मिक के साथ साथ है वैज्ञानिक लाभ

हम अपने घरों में कई पौधे लगाते है नीम, तुलसी, गिलोय आदि। इनमें से एक है शमी का पौधा, जिसका धार्मिक मान्यताओं के साथ साथ वैज्ञानिक लाभ भी है। शास्त्रों में शमी के पौधे का संबंध शनि देव से बताया गया है। खासतौर पर शमी के पौधे की पूजा शनि देव और शिव जी को प्रसन्न करने के लिए की जाती है। इस पौधे के नीचे दीपक जलाना भी शुभ माना जाता है। कहते हैं ऐसा करने से आपको शनि दोष से मुक्ति मिलती है।

आपको बता दें कि आप इस पौधे को गमले या मिट्टी में कहीं भी लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सही दिशा का ध्यान रखना होगा। इसे हमेशा ऐसी दिशा में लगाएं कि आप जब भी घर से बाहर निकले तो यह आपके दाहिने हाथ की तरफ हो। इस पौधे को आप घर की छत पर भी रख सकती हैं। शनि के पौधे को घर में सही दिशा में लगाने से सुख समृद्धि और धन धान्य आता है। इस पौधे में नियमित रूप से जल देने से सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती है।

शमी के पौधे से जुड़ी पौराणिक कहानी

एक पौराणिक कहानी के अनुसार जब भगवान श्रीराम लंका पर आक्रमण करने जा रहे थे तब उन्होंने इस वृक्ष की पूजा की थी। इतना ही नहीं महाभारत काल में पांडवों ने अज्ञातवास के वक्त अस्त्र-शस्त्र भी इसी वृक्ष पर छुपाए थे। इसलिए इस पौधे को अन्य पौधों की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली माना जाता है। गौरतलब है कि पौधा सूखना नहीं चाहिए। नहीं तो घर में सुख समृद्धि नहीं बनेगी।।

शमी के वैज्ञानिक लाभ

कई लोग इसके धार्मिक मान्यताओं के बारे में ही जानते है पर आपको पता नहीं होगा कि शमी एक औषधि भी है, जिसका इस्तेमाल बीमारियों की रोकथाम के लिए किया जाता है। आप कफ-पित्त विकार, खांसी, बवासीर, दस्त आदि में शमी के पौधे का उपयोग कर सकते हैं। इसके साथ-साथ रक्तपित्त, पेट की गड़बड़ी, सांसों की बीमारियों में भी शमी लाभदायक है। आइए शमी के सभी औषधीय गुणों के बारे में जानते हैं।

बीमारियों में कैसे उपयोग में आता है शमी का पौधा

पेट के रोग से छुटकारा पाने के लिए अरलू, तिन्दुक, अनार, कुटज तथा शमी की छाल को बराबर मात्रा में लेकर इसका चूरन बनाये। फिर इनका सेवन कांजी, गुनगुने पानी या मधु के साथ करें। इससे पेट के रोग जैसे दस्त आदि ठीक होते हैं। शमी की छाल या पत्तों से बने काढ़े का सेवन करने से भी पेचिश में लाभ मिलता है। अगर आपकी आँखों में जलन, दर्द, लालिमा, पानी बहने जैसी समस्या है तो यह शमी का पौधा आपके लिए बेहद फायदेमंद है। इसके लिए लोहे के बर्तन में गूलर के कच्चे फल को गाय के दूध के साथ घिस लें। फिर इसे घी युक्त शमी के पत्तों की धूम दें। इससे आपकी आँखों की समस्या में राहत मिलेगी।

हरियाणा में कहां स्थित है माता का सबसे अनोखा शक्तिपीठ

चैत्र नवरात्रि चल रही है, ऐसे में सभी लोग ने मां दुर्गा के 9 स्वरुपों की पूजा कर रहे है और इसके साथ ही उपवास रख रहे हैं। अगर आप भी मां दुर्गा मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं तो हरियाणा में स्थित यह मंदिर देवी का खास महिमा के लिए जाना चाहता है।

चैत्र नवरात्रि में हर कोई इस समय में मां दुर्गा के दर्शन करने के लिए जाते हैं। लेकिन वहीं कुछ लोग के पास इतना बजट नहीं होता है कि कहीं दूर दर्शन के लिए नहीं जा पाते हैं। अगर आप कहीं दूर दर्शन के लिए नहीं जा सकते हैं, तो परेशान न हो। आप माता के 51 शक्तिपीठों में से किसी भी एक शक्तिपीठ का दर्शने करने के लिए आप इस जगह पर जा सकते हैं।

इस लेख में हम आपको बताएंगे कि हरियाणा में स्थित माता का फेमस शक्तिपीठ के बारे में, जहां आप नवरात्रि में दर्शन के लिए जा सकते हैं।

हरियाणा में स्थित है माता का शक्तिपीठ

धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में माता का खास शक्तिपीठ मौजूद है। हरियाणा माता का केवल एक ही शक्तिपीठ है, जो बेहद ही खास माना जाता है। इस शक्तिपीठ का नाम श्रीदेवी कूप भद्रकाली मंदिर है। मान्यता के अनुसार, यहां देवी सती के दाएं पैर का टखना यानी घुटने के नीचे वाला भाग गिरा था। इसलिए यह मंदिर माता के आर्शीवाद के लिए सबसे खास है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी मंदिर में श्रीकृष्ण और बलराम का भी मुंडन हुआ था। साथ ही महाभारत युद्ध में विजय का आर्शीवाद लेने के लिए श्री कृष्ण इसी मंदिर में दर्शन के लिए आए थें।

मंदिर में माता को चढ़ाया जाता है

यहां माता को दूध, चीनी, शहद, घी और पानी चढ़ाने का विराज है। इसके अलावा माता को सोलह श्रृंगार की चीजें भी चढ़ाई जाती हैं।

कैसे पहुंचे श्रीदेवी कूप भद्रकाली मंदिर?

रेलवे स्टेशन और बस अड्डा-कुरूक्षेत्र रेलवे स्टेशन और बस अड्डे से आप यहां पहुंच सकते हैं। वहीं आप नजदीकी हवाई अड्डी- दिल्ली और चंडीगढ़ में स्थित हवाई अड्डे से आप यहां दर्शन कर सकते हैं।

किस विटामिन की कमी से इंसान बूढ़ा दिखने लगता है? जानें लक्षण और बचाव के तरीके

शरीर के अंदरुनी फंक्शन के लिए शरीर में विटामिन का होना बेहद जरूरी है. इंसान के शरीर में 9 तरह के विटामिन होते हैं. इनमें विटामिन बी 12 बेहद महत्वपूर्ण विटामिन है। विटामिन बी 12 सेंट्रल नर्वस सिस्टम के फंक्शन को सक्रिय करता है और हेल्दी रेड ब्लड सेल्स को बनाता है. विटामिन बी 12 के कारण ही डीएनए का सिंथेसिस होता है. लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि विटामिन बी 12 की कमी हो जाए तो क्या होगा? जी हां, विटामिन बी 12 कमी होने से स्किन डल, बेजान पड़ने लगती है और अपनी रंगत खोने लगती है. साथ ही चेहरे पर पिंपल्स, झुर्रियां और फाइन लाइन्स नजर आने लगती हैं. इससे इंसान उम्र से पहले ही बूढ़ा नजर आने लगता है. अब सवाल है कि विटामिन बी 12 की कमी के लक्षण क्या हैं और कैसे करें बचाव? **आइए जानते हैं स्किन के लिए कैसे काम करता है विटामिन बी 12** विटामिन बी 12 स्किन को हेल्दी रखने के लिए बेहद फायदेमंद है. यह शरीर में एनर्जी, बेहतर मेटाबॉलिज्म, नर्वस सिस्टम बेहतर बनाने के साथ स्किन और बालों के लिए भी बेहद फायदेमंद हो सकता है. यह आपकी सेल रिप्रोडक्शन के लिए काम करता है. साथ ही यह त्वचा की सूजन, ड्राइनेस और मुंहासे को कम करने में मदद कर सकता है। **विटामिन बी 12 की कमी के लक्षण** भूख कम लगना.

स्किन का ड्राई होना, पीला पड़ना, सिरदर्द होना, कान से आवाज आना, मुंह में छाले पड़ना. वीकनेस और सुस्ती फील करना. विटामिन बी 12 की कमी को कैसे दूर करें

फिशः हेल्थलाइन के मुताबिक, कई तरह की मछलियों से विटामिन बी 12 की प्राप्ति जल्दी की जा सकती है. मछलियों में हर तरह के विटामिन, प्रोटीन और ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्वों की एक साथ प्राप्ति हो जाती है. सेलमन, टून, ट्रॉट जैसी मछलियों में विटामिन बी 12 बहुत होता है.

अंडाः अंडा से भी बहुत अधिक विटामिन बी 12 को प्राप्त किया जा सकता है. शरीर में ज्यादा थकान महसूस हो तो समझ जाएं कि विटामिन बी 12 की कमी है और दूर करने के लिए डेयरी प्रोडक्ट को डाइट में शामिल करें.

फोर्टिफाइड सेरल्सः फोर्टिफाइड सेरल्स में एडेड विटामिन रहता है. इससे सभी तरह के विटामिन की पूर्ति हो सकता है. जो लोग वेजिटेरियन हैं, उनके लिए फोर्टिफाइड फूड विटामिन बी 12 की कमी को आसानी से पूरा कर सकता है. इसमें छिलके वाले अनाज का मिश्रण होता है जो कई अन्य पोषक तत्वों से भरा होता है.

फल-सब्जियांः ताजे फल और हरी पत्तीदार सब्जियों से आसानी से विटामिन बी 12 की प्राप्ति की जा सकती है. इसके लिए जितना कलरफुल सब्जियां और फल होंगे उतना ही फायदेमंद होगा. विटामिन बी 12 के लिए चुकंदर, लाल सब्जी जैसे आलू, सफेद सब्जी मशरूम आदि का सेवन करना चाहिए.

ओटमीलः ओटमील विटामिन बी 12 का अच्छा स्रोत होता है. ओटमील के अलावा कॉर्नफ्लेक्स, छाछ आदि में भी विटामिन बी 12 भरपूर मात्रा में रहता है. वहीं दूध, दही, अंडा, डेयरी प्रोडक्ट, साबुत अनाज, चुकंदर, आलू, मशरूम, फोर्टिफाइड ब्रेकफास्ट सेरिएल, सीजनल हरी सब्जियां आदि से विटामिन बी 12 प्राप्त किया जा सकता है.

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन, सीएम केजरीवाल के बाद इस शख्स की हुई गिरफ्तारी

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (IGI Airport Delhi) के नाम एक और रिकॉर्ड जुड़ गया है। दिल्ली एयरपोर्ट 2023 के लिए दुनिया के सबसे 10 व्यस्त हवाई अड्डों की सूची में शामिल हुआ है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई ACI) वर्ल्ड ने यह लिस्ट जारी की है। अमेरिका का हट्र्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस सूची में सबसे ऊपर है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (IGI Airport Delhi) के नाम एक और रिकॉर्ड जुड़ गया है। दिल्ली एयरपोर्ट 2023 के लिए दुनिया के सबसे 10 व्यस्त हवाई अड्डों की सूची में शामिल हुआ है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई, ACI) वर्ल्ड ने यह लिस्ट जारी की है।

एसीआई के अनुसार, अमेरिका का हट्र्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस सूची में सबसे ऊपर है। उसके बाद दुबई और तीसरे पर डलास एयरपोर्ट है। सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में पांच हवाई अड्डे अमेरिका के हैं। दिल्ली का आईजीआई एयरपोर्ट लिस्ट में 10वें नंबर है।

850 करोड़ लोगों ने की हवाई यात्रा

एसीआई का कहना है कि 2023 में पूरी दुनिया में 8.5 बिलियन (850 करोड़) यात्रियों ने हवाई यात्रा की। जो कोरोना महामारी से पहले यात्रियों की संख्या का 93.8 प्रतिशत है। जबकि वर्ष 2022 की तुलना में 27.2 प्रतिशत अधिक है।

अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात में सुधार होकर घरेलू यातायत के करीब आ गया है। जिसने उद्योग के पुनरुत्थान और विस्तार को बढ़ावा देने में जरूरी भूमिका निभाई है।

दिल्ली एयरपोर्ट से कितने यात्री गुजरे

दिल्ली के एयरपोर्ट ने 2023 में 7.22 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभाला। वहीं, 2022 में हवाई अड्डा नौवें स्थान पर था।

अन्य एयरपोर्ट से कितने यात्री गुजरे

पहले स्थान पर मौजूद हट्र्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 10.46 करोड़ से अधिक यात्रियों ने यात्राएं की। इसके बाद दुबई अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट ने 8.69 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभाला। डलास फोर्थ वर्थ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा ने 2023 में 8.17 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभाला।

सूची में चौथे स्थान पर लंदन का हीथ्रो हवाई अड्डा, पांचवे पर टोक्यो का हानेडा हवाई अड्डा, छठे पर डेनवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, सातवें पर इस्तांबुल हवाई अड्डा, आठवें पर लॉस एंजिल्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और नौंवे पर शिकागो का ओ'हारे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

किसी हवाई अड्डे के लिए यात्री संख्या में हवाई जहाज में चढ़ने वाले वाले और हवाई जहाज से उतरने वाले यात्री शामिल होते हैं, और जो लोग पारगमन करते हैं उन्हें एक बार गिना जाता है।

महापौर चुनाव के लिए आप ने पार्षदों की घेराबंदी, उम्मीदवारों की रेस में ये नाम सबसे आगे

अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद आप के लिए दिल्ली महापौर का चुनाव महत्वपूर्ण है। इसलिए आप सभी समीकरणों से लेकर आप पार्षदों की आम सहमति से उम्मीदवार को तय करना चाहती है। आप पार्षदों के साथ संजय सिंह और आप नेताओं ने मन टटोला। उम्मीदवार भले ही अभी घोषित नहीं हुए हैं लेकिन दो-तीन उम्मीदवारों के नाम पर लगभग सहमति बनती हुई दिखाई दे रही है।

नई दिल्ली। महापौर चुनाव के नामांकन को लेकर सिर्फ तीन दिन ही शेष हैं, लेकिन अभी तक बहुमत के बाद भी सत्तारुढ़ आप पार्टी उम्मीदवार तय नहीं कर पाई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद आप के लिए यह चुनाव महत्वपूर्ण है। साथ ही परीक्षा वाला है। इसलिए आप सभी समीकरणों से लेकर आप पार्षदों की आम सहमति से उम्मीदवार को तय करना चाहती है।

पार्षदों की घेराबंदी और एकजुटता के लिए आप के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी के आवास पर सोमवार को आप पार्षदों की बैठक हुई। जिसमें पार्षदों से चुनाव के लिए एकजुट होने की अपील की गई। बैठक की अध्यक्षता संजय सिंह कर रहे थे। जेल से आने के बाद आप कार्यकर्ताओं और नेताओं में संजय सिंह से मिलने वाले पहुंच रहे हैं। पार्षद भी पहुंचना चाहते थे।

संजय सिंह ने टटोला मन

इसको देखते हुए आप पार्षदों के साथ संजय सिंह और आप नेताओं ने मन टटोला। सूत्रों के मुताबिक आप नेताओं ने कहा है कि भले ही हमारे पास बहुमत है, लेकिन हमें जीत के लिए पिछली बार से ज्यादा वोट लेने हैं। आप नेताओं ने कहा कि यह छोटा चुनाव है, लेकिन लोकसभा से पहले यह जीत आप कार्यकर्ताओं में ऊर्जा देगी। इसलिए भाजपा प्रत्याशी उतारे या न उतारे दोनों स्थिति के लिए सभी को एकजुट होना है। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2023 में हुए निगम चुनाव में भाजपा ने प्रत्याशी उतारे थे, जिसमें डॉ. शैली ओबेराय ने जीत दर्ज की थी। इतना ही नहीं अप्रैल 2023 में हुए चुनाव में भाजपा ने प्रत्याशी तो उतारे थे, लेकिन चुनाव से पहले ही नाम वापस ले लिया, जिससे डॉ. शैली ओबेराय ने निर्विरोध जीत दर्ज की थी।

प्रेम चौहान और सारिका चौधरी रेस में आगे

भले ही आप ने अभी प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है, लेकिन दो-तीन उम्मीदवारों के नाम पर लगभग सहमति बनती हुई दिखाई दे रही है। इसी में से किसी एक प्रत्याशी घोषित किया जा सकता है। इसमें दरियागंज से पार्षद सारिका चौधरी, सिविल लाइंस से पार्षद विकास टांक और दक्षिणी पुरी वार्ड से पार्षद प्रेम चौहान का नाम शामिल हैं।

मेगा अभियान शुरू करेगी AAP, 'जेल का जवाब वोट से' संकल्प यात्रा का होगा नाम

आम आदमी पार्टी (AAP) के प्रदेश प्रमुख और कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर बात रखी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से जंतर मंतर पर सामूहिक उपवास रखा था। 9 तारीख से 2000 टीमें जेल का बदला वोट से चला रही हैं। ये अभियान चार लोकसभा सीटों पर चलाया जा रहा है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रमुख और कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर बात रखी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से जंतर मंतर पर सामूहिक उपवास रखा था। 9 तारीख से 2000 टीमें जेल का बदला वोट से चला रही हैं।

ये अभियान चार लोकसभा सीटों पर चलाया जा रहा है। 50 से 60 हजार घरों में प्रतिदिन कार्यकर्ता जा रहे हैं। 3 लाख घरों तक अभी पहुंचे हैं। 25 अप्रैल तक डोर टू डोर अभियान पूरा किया जाएगा।

'अरविंद केजीरावल को गलत तरीके से किया गिरफ्तार'

इस अभियान में सबसे प्रमुख बात सामने आ रही है कि लोग घरों तक जा रहे हैं तो सभी जगह से यही रिस्पॉन्स मिल रहा है कि अरविंद केजरीवाल को गलत तरीके के गिरफ्तार किया गया है। जिस तरह से अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है, उससे लोग अब इस लोकसभा चुनाव में केजरीवाल के साथ आ रहे है।

अभियान में यह भी निकल आ रहा है कि पहले जब लोग यह भी देख रहे हैं कि इससे किसका फायदा है। भाजपा चला रही है कि केजरीवाल को भ्रष्टाचार के चलते गिरफ्तार किया गया है, मगर जनता इसे नही मान रही है।

शुरू होगा अभियान

पार्टी ने अब कल से मेगा अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। अब 'जेल का जवाब वोट से' संकल्प यात्रा 16 अप्रैल से शुरू होगी, जो 23 मई तक चलेगी। 200 संकल्प सभा भी होंगी। कल विश्वास नगर विधानसभा से गोपाल राय इसका शुभारंभ करेंगे। हर विधानसभा में एक सभा होगी जो 22 मई तक चलेगी।

संजय सिंह की 22 अप्रैल से संकल्प सभा शुरू होंगी जो 23 मई तक चलेंगी। इन संकल्प सभाओं में आने वाले लोगों को मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर लोगों को शपथ दिलाई जाएगी कि वे जेल का जवाब वोट से देंगे। चुनाव से पहले ऐसे एक लाख लोगों को तैयार किया जाएगा जो जनता को केजरीवाल के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए 200 सभाएं की जाएंगी।

एम्स में दिल और न्यूरो की बीमारियों के लिए बनेगा सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी ब्लॉक, मरीजों को मिलेगी राहत

परिवहन विशेष न्यूज

करीब दो वर्ष में यह बनकर तैयार हो जाएगा। तब दिल व न्यूरो की बीमारियों के मरीजों के लिए ओपीडी में वर्तमान ओपीडी से चार गुना अधिक जगह उपलब्ध हो सकेगी। नए सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी ब्लॉक का निर्माण पूरा होने तक सीएन सेंटर की ओपीडी को मस्जिद मोठ स्थित नए ओपीडी ब्लॉक के छठी मंजिल पर स्थायी तौर पर स्थानांतरित किया जा सकता है।

नई दिल्ली। एम्स में कार्डियक व न्यूरो (सीएन) सेंटर की ओपीडी सेवा में विस्तार के लिए मस्जिद मोठ के पास नया सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी ब्लॉक बनेगा। जिसमें दिल व न्यूरो की बीमारियों की ओपीडी सेवा संचालित की जाएगी।

ओपीडी से होगी चार गुना अधिक जगह

इस सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी ब्लॉक के निर्माण के लिए एम्स टेंडर प्रक्रिया शुरू कर चुका है। करीब दो वर्ष में यह बनकर तैयार हो जाएगा। तब दिल व न्यूरो की बीमारियों के मरीजों के लिए ओपीडी में वर्तमान ओपीडी से चार गुना अधिक जगह उपलब्ध हो सकेगी। इससे मरीजों को राहत मिलेगी।

सीएन सेंटर प्रशासन को जारी किया आदेश

एम्स प्रशासन ने हाल ही में एक आदेश में सीएन सेंटर प्रशासन को जारी किया है। साथ ही सीएन सेंटर की ओपीडी सेवा में सुधार के लिए तीन अन्य विकल्प भी दिए हैं। इसके तहत नए सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी ब्लॉक का निर्माण पूरा होने तक सीएन सेंटर की ओपीडी को मस्जिद मोठ स्थित नए ओपीडी ब्लॉक के छठी मंजिल पर स्थायी तौर पर स्थानांतरित किया जा सकता है।

एम्स प्रशासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सीएन सेंटर की ओपीडी 25 हजार वर्ग मीटर जगह में चल रही है। जगह की कमी के कारण मरीजों को परेशानी होती है।

इसलिए ओपीडी सेवा में विस्तार की जरूरत है, लेकिन सीएन सेंटर की ओपीडी के आसपास सीमित जगह होने के कारण उसी स्थान पर ओपीडी सेवा का विस्तार संभव नहीं है। इसलिए मस्जिद मोठ के पास सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी ब्लॉक के निर्माण के लिए बजट स्वीकृत हो चुका है और इसका टेंडर भी जारी हो चुका है।

कब तक तैयार होगा सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक

दो वर्ष में कार्डियक व न्यूरो के लिए दो तल का सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक तैयार होगा। जिसमें कार्डियक व न्यूरो की ओपीडी के लिए एक लाख दस हजार वर्ग मीटर जगह उपलब्ध हो जाएगी। तब कार्डियक व न्यूरो की ओपीडी सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी ब्लॉक में चलेगी।

सीएन सेंटर की ओपीडी सेवा में विस्तार के लिए इन तीन विकल्पों पर भी विचार

सीएन सेंटर की ओपीडी को अस्थायी रूप से मस्जिद मोठ स्थित नए ओपीडी ब्लॉक के छठी मंजिल पर स्थानांतरित करना। एम्स में सीएसआर फंड से मरीजों के लिए बनाए जा रहे वेटिंग हाल को सीएन सेंटर की ओपीडी सेवा में विस्तार के लिए इस्तेमाल करना।

संजय सिंह ने जेल भेजने के लिए पीएम मोदी को कहा 'धन्यवाद', आम आदमी पार्टी ने जारी किया नया वीडियो

परिवहन विशेष न्यूज

आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें वह जेल भेजने के लिएप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा है। उन्होंने कहा कि जेल भेजकर उन्होंने नेक काम किया है क्योंकि छह महीने की कैद उन्होंने देश के क्रातिकारियों के बारे में पढ़ा है। वह बीते 30 साल से जो राजनीति कर रहे हैं वह सही रास्ते पर हैं।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने एक वीडियो संदेश जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि जेल भेजकर उन्होंने नेक काम किया है, क्योंकि छह महीने की कैद की वजह से वह अपने बारे में बहुत कुछ समझ गए हैं। उन्होंने कहा कि जेल में उन्हें एहसास हुआ कि वह बीते 30 साल से जो राजनीति कर रहे हैं, वह सही रास्ते पर हैं।

उन्होंने कहा- पिछले 10 दिनों से मैं जेल के बाहर हूं। मुझे सुकून की नींद आ रही है। छह महीने जेल में रहा। मुझे आइसोलेशन में रखा गया। पीएम मोदी अगर यह मौका नहीं देते तो मैं खुद से मुलाकात नहीं कर पाता। देश के क्रांतिकारियों से मुलाकात नहीं कर पाता। कहानियां न पढ़ पाता। जब एकांत में आदमी होता है, तो उसे बहुत चिंतन करने का मौका मिलता है।

देश के क्रांतिकारियों के बारे में जाना: संजय सिंह

उन्होंने कहा- मैंने नेल्सन मंडेल को पढ़ा। क्या शानदार क्रांतिकारी जीवन था उनका। भगत सिंह से मुलाकात की। 23 साल के इस नौजवान ने देश के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर किया। मैंने अशफाकउल्ला, रोशन सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल और काला पानी के दस्तावेज पढ़े। तब जाना कि 30 साल से राजनीति के माध्यम से जो वह समाजसेवा कर रहे थे, शायद यह रास्ता सही था।

मैंने गांधी जी को पढ़ा। मैंने यह जाना कि हम तो सही रास्ते पर चल रहे थे। यह छह महीने का जेल का सफर नहीं होता तो हमें इसका पता नहीं चल पाता। मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे यह मौका दिया। मैं छह महीने की जेल की यात्रा से तप कर निकला हूं, आगे के रास्ते को मजबूत करने के लिए।

इतिहास कभी नहीं बिकता: संजय सिंह

उन्होंने कहा कि हो सकता है कि आज कई माध्यम बिक गए हों, लेकिन इतिहास कभी नहीं बिकता। इतिहास में वही दर्ज होता है जो आप करते हैं। क्या सच है, क्या गलत है यह लोग तय करेंगे। पीएम मोदी के जेल भेजने की मंशा नहीं जानता, लेकिन उन्हें धन्यवाद। इससे मुझे एहसास हुआ कि मैं 30 साल से जो कर रहा था, वह सही है।

एसीआई का कहना है कि 2023 में पूरी दुनिया में 8.5 बिलियन (850 करोड़) यात्रियों ने हवाई यात्रा की।

दिल्ली एयरपोर्ट दुनिया के टॉप-10 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल, लिस्ट में अमेरिका के सबसे ज्यादा

परिवहन विशेष न्यूज

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (IGI Airport Delhi) के नाम एक और रिकॉर्ड जुड़ गया है। दिल्ली एयरपोर्ट 2023 के लिए दुनिया के सबसे 10 व्यस्त हवाई अड्डों की सूची में शामिल हुआ है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई ACI) वर्ल्ड ने यह लिस्ट जारी की है।अमेरिका का हट्र्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस सूची में सबसे ऊपर है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (IGI AIRPORT DELHI) के नाम एक और रिकॉर्ड जुड़ गया है। दिल्ली एयरपोर्ट 2023 के लिए दुनिया के सबसे 10 व्यस्त हवाई अड्डों की सूची में शामिल हुआ है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई, ACI) वर्ल्ड ने यह लिस्ट जारी की है।

एसीआई के अनुसार, अमेरिका का हट्र्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस सूची में सबसे ऊपर है। उसके बाद दुबई और तीसरे पर डलास एयरपोर्ट है। सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में पांच हवाई अड्डे अमेरिका के हैं। दिल्ली का आईजीआई एयरपोर्ट लिस्ट में 10वें नंबर है।

850 करोड़ लोगों ने की हवाई यात्रा

एसीआई का कहना है कि 2023 में पूरी दुनिया में 8.5 बिलियन (850 करोड़) यात्रियों ने हवाई यात्रा की। जो कोरोना महामारी से पहले यात्रियों की संख्या का 93.8 प्रतिशत है। जबकि वर्ष 2022 की तुलना में 27.2 प्रतिशत अधिक है।

अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात में सुधार होकर घरेलू यातायत के करीब आ गया है। जिसने उद्योग के पुनरुत्थान और विस्तार को बढ़ावा देने में जरूरी भूमिका निभाई है।

दिल्ली एयरपोर्ट से कितने यात्री गुजरे

दिल्ली के एयरपोर्ट ने 2023 में 7.22 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभाला। वहीं, 2022 में हवाई अड्डा नौवें स्थान पर था।

अन्य एयरपोर्ट से कितने यात्री गुजरे

पहले स्थान पर मौजूद हट्र्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 10.46 करोड़ से अधिक यात्रियों ने यात्राएं की। इसके बाद दुबई अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट ने 8.69 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभाला। डलास फोर्थ वर्थ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा ने 2023 में 8.17 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभाला।

सूची में चौथे स्थान पर लंदन का हीथ्रो हवाई अड्डा, पांचवे पर टोक्यो का हानेडा हवाई अड्डा, छठे पर डेनवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, सातवें पर इस्तांबुल हवाई अड्डा, आठवें पर लॉस एंजिल्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और नौंवे पर शिकागो का ओ'हारे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

किसी हवाई अड्डे के लिए यात्री संख्या में हवाई जहाज में चढ़ने वाले वाले और हवाई जहाज से उतरने वाले यात्री शामिल होते हैं, और जो लोग पारगमन करते हैं उन्हें एक बार गिना जाता है।

अमेरिका में रची साजिश... महीने भर की रेकी, सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की क्या वजह? सामने आई बड़ी बात

सलमान खान के घर पर फायरिंग मामले में जांच एजेंसियों का मानना है कि वारदात की साजिश अमेरिका में रची गई। वर्चुअल नंबरों से शूटरों को निर्देश दिए गए। अधिकारियों के मुताबिक लॉरेंस सलमान खान को डराकर फिल्म इंडस्ट्रीज में डी कंपनी की जगह लेना चाह रहा है ताकि वहां से मोटी रकम की उगाही की जा सके। पिछले दो दशक से फिल्म इंडस्ट्री से उगाही का धंधा बंद है।

नई दिल्ली। अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर फायरिंग करने के मामले में केंद्रीय एजेंसियों के अलावा पांच राज्यों महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा व पंजाब की पुलिस शूटरों का पता लगाने में जुट गई है। अब तक की जांच से जांच एजेंसियों का मानना है कि वारदात की साजिश अमेरिका में रची गई। वर्चुअल नंबरों से शूटरों को निर्देश दिए गए। शूटर्स करीब एक माह से सलमान खान के घर की रेकी कर रहे थे। रविवार को योजनाबद्ध तरीके से उन्होंने वारदात को अंजाम दिया। स्पेशल सेल के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि मुंबई फिल्म इंडस्ट्रीज में अंडर वर्ल्ड डान दाउद इब्राहिम, छोटा राजन व अबू सलेम का आतंक पूरी तरह खत्म हो जाने पर लॉरेंस, सलमान खान को डराकर फिल्म इंडस्ट्रीज में डी कंपनी की जगह लेना चाह रहा है, ताकि वहां से मोटी रकम की उगाही की जा सके।

रिश्वत मांगने के आरोप में पूर्व एसएचओ समेत चार पुलिसकर्मियों पर रिपोर्ट दर्ज

गाजियाबाद में दो वर्ष पहले दहेज उत्पीड़न के मामले को खत्म करने के लिए दो लाख रिश्वत मांगने के आरोप में तत्कालीन एसएचओ समेत चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुरादनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता रघुपाल सिंह ने बताया है कि दो साल पहले उनके खिलाफ मुरादनगर थाने में दहेज उत्पीड़न की धाराओं में केस दर्ज हुआ था।

गाजियाबाद। दो वर्ष पहले दहेज उत्पीड़न के मामले को रफा-दफा करने के एवज में दो लाख रिश्वत मांगने के आरोप में तत्कालीन एसएचओ समेत चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुरादनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता रघुपाल सिंह हैं।

रघुपाल सिंह के मुताबिक, दो साल पहले उनके खिलाफ मुरादनगर थाने में दहेज उत्पीड़न की धाराओं में केस दर्ज हुआ था। इस बीच सिपाही विकास का उनपर फोन आया। उसने थाने आने को कहा। इसके बाद मुकदमे को खत्म कराने के लिए दारोगा और एसएचओ से मुलाकात कराई।

मुकदमा खत्म कराने के लिए दो लाख की रिश्वत

मुकदमा खत्म कराने के नाम पर उनसे दो लाख रुपये रिश्वत मांगी। मना करने पर पुलिसकर्मियों ने उनपर दबाव बनाना शुरू कर दिया। आये दिन दबिश दे जाने लगी। परेशान आकर पीड़ति ने डीसीपी ग्रामीण से शिकायत की। उन्होंने एसीपी से जांच कराई तो पुष्टि हुई। मामले में अब सोमवार को चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

'भाजपा ने कांग्रेस की तरह छोटे नारे नहीं दिए: मनोहर लाल

परिवहन विशेष न्यूज

मनोहर लाल ने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस की तरह छोटे नारे देने की बजाय देश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य हर इकाई को आत्मनिर्भर बनाना है। आयुष्मान कार्ड के जरिए 70 वर्ष के बुजुर्गों को पांच लाख तक कई ईलाज की गारंटी दी है। किसानों की आय वृद्धि के लिए फूड प्रोसेसिंग पर जोर दिया है।

गुरुग्राम। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस की तरह छोटे नारे देने की बजाय देश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। इसलिए भाजपा ने घोषणा पत्र नहीं, अपना संकल्प पत्र प्रस्तुत किया है। भाजपा चुनाव के जरिए अपना लाइसेंस रिन्यूअल कराने जा रही है, गोल्डन रिन्यूअल तभी होगा जब 400 सीटें जीत जाएंगे।

'हर इकाई को आत्मनिर्भर बनाना'

पूर्व मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम के एक होटल में पत्रकारवार्ता को संबोधित कर रहे थे। भाजपा का संकल्प, मोदी की गारंटी के बारे में मनोहर लाल ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य हर इकाई को आत्मनिर्भर बनाना है। आयुष्मान कार्ड के जरिए 70 वर्ष के बुजुर्गों को पांच लाख तक कई ईलाज की गारंटी दी है। किसानों की आय वृद्धि के लिए फूड प्रोसेसिंग पर जोर दिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ बनाने का संकल्प लिया है। देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुके है और हरियाणा में यह आंकड़ा बीस लाख है। जरूरतमंद लोगों के लिए चार करोड़ मकान बनाए गए हैं और अगले पांच वर्ष में तीन करोड़ नए मकान बनाए जाएंगे। दिव्यांगजनों के लिए विशेष आवास योजना बनाई गई है। पीएम स्वनिधि योजना को शहरी क्षेत्र के बाद अब ग्रामीण क्षेत्र में भी लागू किया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों से दस करोड़ परिवार जुड़ चुके हैं।

ड्रोन दीदी और लखपति दीदी योजना से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। किसान सम्मान निधि योजना के बाद अब अन्न भंडारण योजना शुरू की जा रही है, ताकि अन्न को खराब होने से बचाया जा सके। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर और एविएशन सेक्टर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

पिछले दस साल में देश में एक हजार से अधिक विमान खरीदे गए हैं और एयरपोर्ट की संख्या को बढ़ाया जा रहा है। वंदे भारत ट्रेन के नए रूट बनाए जाएंगे। पत्रकारवार्ता के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष कमल यादव, मुख्य प्रवक्ता जवाहर यादव, प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी और सोशल मीडिया प्रमुख्य अरुण यादव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

14 फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही

कांग्रेस के घोषणा पत्र में आर्थिक रूप से कमजोर लड़कियों को एक लाख रुपये सालाना देने के सवाल पर मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस इस तरह 80 लाख करोड़ रुपये देगी, जबकि देश का सिर्फ 47 लाख करोड़ का बजट है। किसानों को एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य देने के सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में 14 फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं।

लोकसभा चुनाव से पहले कार से मिले 10 लाख रुपये, गाजियाबाद पुलिस ने चेकिंग के दौरान पकड़ा

गाजियाबाद में लोकसभा चुनाव के लिए 26 अप्रैल को मतदान होना है। इससे पहले गाजियाबाद पुलिस ने हिंडन एयरफोर्स पुलिस चौकी के सामने चेकिंग के दौरान एक कार से 10 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। पूछताछ में बताया कि राजनगर एक्सटेंशन में रहने वाले दोस्त ने इलाज के लिए 10 लाख रुपये उधार दिए थे। वही देने जा रहे थे।

गाजियाबाद। साहिबाबाद कोतवाली क्षेत्र की हिंडन एयरफोर्स पुलिस चौकी के सामने चेकिंग के दौरान एक कार से 10 लाख रुपये बरामद हुए हैं। घड़ी व्यापारी का कहना है दोस्त को इलाज के लिए उधार देने जा रहा था। लेनदेन का दस्तावेज नहीं दिखाने पर पुलिस ने रुपये जब्त कर लिए हैं।

हिंडन एयरफोर्स चौकी के सामने चेकिंग कर रही थी पुलिस

सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि रविवार रात को हिंडन एयरफोर्स पुलिस चौकी के सामने टीम बैरियर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक हरियाणा नंबर की एक वैगनआर कार को रोककर तलाशी ली। कार से 10 लाख रुपये बरामद हुए।

पुलिस उसे पूछताछ के लिए थाने ले आई। कार सवार बुराडी, थाना झरौदा दिल्ली का विश्वास जायसवाल और चालक अशोकनगर ईस्ट नन्दनगरी दिल्ली का बॉबी है।

पूछताछ में बताया कि राजनगर एक्सटेंशन में रहने वाले दोस्त ने इलाज के लिए 10 लाख रुपये उधार दिए थे। वही देने जा रहे थे। पुलिस ने रुपये का विवरण मांगा तो संतोषजनक जवाब नहीं दिया। पुलिस ने रुपये जब्त कर लिए हैं।

देशभर में गजराज की हुईं दर्दनाक मौतें, करंट से 100 और ट्रेन की चपेट में आने से 15 हाथियों की गई जान

सरकारी प्रयासों के बावजूद देश में हाथियों की मौत के मामलों में कमी नहीं आ रही है। यह खुलासा जानवरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे शहर निवासी समाजसेवी रंजन तोमर की आरटीआई में सामने आया है। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय में आरटीआई लगाकर जानकारी मांगी थी। मंत्रालय की ओर से हाथियों के संबंधी में जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। सरकारी प्रयासों के बावजूद देश में हाथियों की मौत के मामलों में कमी नहीं आ रही है। यह खुलासा जानवरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे शहर निवासी समाजसेवी रंजन तोमर की आरटीआई में सामने आया है। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय में आरटीआई लगाकर जानकारी मांगी थी। मंत्रालय की ओर से हाथियों के संबंधी में जानकारी उपलब्ध कराई गई है। रंजन ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में सरकार के नए प्रयासों के बावजूद करंट लगने से मरने वाले हाथियों की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्ष 2019-20 में 76 हाथी इस कारण से मारे गए थे।

हथियों की मौत के आंकड़े

2020-21 में यह संख्या घटकर 65 रही, जबकि 2021-22 में 57, लेकिन 2022-23 में यह बढ़कर 100 होना चिंताजनक है। इसमें सबसे ज़्यादा हाथी ओडिशा, आसाम, तमिलनाडु और कर्नाटक में हुई है। वहीं ट्रेन हादसों में भी हाथियों की मौत में कमी नहीं आई है। 2018-19 में 19, 2019-20 में 14 , 2020-21 में 12, 2021-22 में 15 और 2022-23 में फिर 15 हाथियों की मौत हुई।

सरकार ने किए यह प्रयास

सरकार प्रोजेक्ट टाइगर एवं एलीफैंट के तहत राज्य सरकारों को संरक्षण हेतु दे रही आर्थिक पैकेज।

मंत्रालय द्वारा राज्यों एवं बिजली कंपनियों को करंट से बचाव हेतु जारी उपायों की एडवाइजरी।

पर्यावरण मंत्रालय और ऊर्जा मंत्रालय हादसों को रोकने के लिए कर रहे बैठक।

अन्य मंत्रालय, राष्ट्रिय राजमार्ग प्राधिकरण, विश्व बैंक आदि ने हाथियों को होने वाली क्षति संबंधी पुस्तिका भी की प्रकाशित।

डॉ बाबा साहेब के राष्ट्र के लिए किये गए त्याग और बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता : डॉ उमेश शर्मा

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा। भारतीय सविधान के रचयिता, भारतरत्न, असहायों के भाग्यविधाता परमपूजनीय डॉ.भीमराव अंबेडकरजी को देश विदेश सहित दलितों की राजधानी आगरा में उनके अनुयायियों एवम मोदी जी और योगी जी व अन्य नेताओं ने रविवार को 134वी जयंती के शुभ अवसर पर हृदय से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित कर शुभकामनाएं देकर महान आत्मा को कोटि कोटि प्रणाम व श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकरजी की जयंती पर उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ के चेयरमैन एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा ने कहा कि बाबा साहेब ने घरेलू व आर्थिक परेशानियों के बाद भी अपना सम्पूर्ण जीवन शिक्षा, ज्ञान और ग़रीब असहाय लोगो को अर्पित किया। विदेशों में अंग्रेज बाबा साहेब को सिम्बल ऑफ़ नॉलेज के नाम से जाने जाते हैं। सामाजिक समता और सामाजिक न्याय जैसे सामाजिक परिवर्तन के मुद्दों को प्रमुखता से स्वर देने और परिणाम तक लाने वाले प्रमुख लोगों में डॉ. भीमराव अम्बेडकरजी का नाम अग्रणी है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ऊंच-नीच, भेदभाव, छुआछूत के उन्मूलन जैसे कार्यो के लिए समर्पित कर दिया लेकिन एक पार्टी ने बाबा साहेब को जीवित रहते वह सम्मान नहीं दिया, जो उन्हें मिलना चाहिए था। उनकी मृत्यु के 4 दशक बाद उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। वही, मोदी और योगी सरकार ने उनके प्रस्तावों को वास्तविकता बनाने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि डॉ अंबेडकरजी के ही प्रयासों का प्ररिणाम है न केवल भारत में बल्कि पूरे दुनिया में सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठी। आज देश के करोड़ो दलितों, आदिवासियों, पिछड़ो और दूसरे उपेक्षित वर्गों के मसीहा और संविधान के निमार्ता डॉ बी.आर. अंबेडकर जी की 134वी जयंती है। सिम्बल ऑफ नॉलेज ने वर्षों पूर्व में कहा था कि महान आदमी एक आम आदमी से इस तरह से अलग है कि वह समाज का सेवक बनने को तैयार रहता है।

श्री शर्मा ने आगे कहा कि ऐसे महान विचारों के धनी थे डॉ बाबा साहेब भीमराव आंबेडकरजी, जिन्होंने समाज मे फैली जातपात छुआछूत के ख़िलाफ़ जीवन भर संघष किया और दलित पिछड़े आदिवाशी व असहायों के हितों को ध्यान में रखते हुए ग्रेजुएट बनों संगठित रहो संघर्ष करो का नारा दिया। बाबा साहब के चिंतन और विचारों में देश सबसे ऊपर हैं। एक दूसरे के साथ भाईचारे से रहे तभी देश की तरक्की हो सकती है। शिक्षा हर व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण आधार होना चाहिए। बाबा साहेब का संघर्ष सम्पूर्ण विश्व के लोगों के लिए एक मिसाल हैं। हम कभी भी बाबा साहब के त्याग और बलिदान को भुला नहीं सकते। डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकरजी की जन्म जयंती पर हम भारत के लोगों की तरफ से अपनी सामूहिक शक्ति का ये प्रदर्शन, ये संकल्प, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। मैं बाबासाहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर कोटी-कोटी नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। गरीबों के मसीहा, संविधान निर्माता को शत - शत नमन।

अरुणाचल प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभाने में विफल रही कांग्रेस को क्या माफ किया

नीरज कुमार दुबे

राज्य में दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस की इस समय क्या स्थिति है इसे इस बात से भी समझ सकते हैं कि 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन के बाद जिन 50 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कराया जा रहा है उसमें भी कांग्रेस ने सिर्फ 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं।

कांग्रेस और विपक्ष के तमाम नेता दिल्ली में बैठ कर दावे करते हैं कि लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, देश में तानाशाही का माहौल बनाया जा रहा है और विपक्ष को जांच एजेंसियों का डर दिखाया जा रहा है। लेकिन जब आप राज्यों में जाकर देखेंगे तो पाएंगे कि विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभा रहा है। इस बात का सबसे सशक्त उदाहरण अरुणाचल प्रदेश है। अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ ही हो रहे हैं। राज्य में लोकसभा की दो सीटें हैं जबकि विधानसभा की 60 सीटें हैं। इस चुनाव को लेकर विपक्ष कितना गंभीर है इसका अंदाजा आपको इस बात से ही लग जायेगा कि दस विधानसभा सीटें भाजपा चुनाव से पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है क्योंकि इन दस सीटों पर विपक्ष का कोई भी दल अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा कर सका।

राज्य में दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस की इस समय क्या स्थिति है इसे इस बात से भी समझ सकते हैं कि 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन के बाद जिन 50 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कराया जा रहा है उसमें भी कांग्रेस ने सिर्फ 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं। यानि कांग्रेस राज्य की 60 में से सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसका मतलब यह है कि वह यह चुनाव जीतने के लिए या सरकार बनाने के लिए लड़ ही नहीं रही है। सवाल उठता है कि क्या यही है लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका? सवाल उठता है कि जो दल विपक्ष की भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पा रहा वह यदि सत्ता में आया तो क्या कर पायेगा? देखा जाये तो विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभाये तो लोकतंत्र को खतरा हो सकता है। इसलिए मतदाताओं को चाहिए कि कांग्रेस को मुख्य विपक्ष की भूमिका से भी कुछ समय के लिए बाहर कर किसी और दल को यह अवसर दें। आप विडंबना देखिये कि अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस ने जिन 19 उम्मीदवारों को उतारा है उसमें से 17 नये चेहरे हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस का टिकट लेने के लिए कोई पुराना नेता राजी ही नहीं था इसलिए नये चेहरों को आगे बढ़ाया गया है। संभवतः यही कारण है कि राहुल गांधी ने अरुणाचल प्रदेश में अपनी पार्टी का चुनाव प्रचार नहीं किया जबकि वह अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर इस साल के शुरू में अरुणाचल पहुँचे थे।

चुनावों में जनता से किये जा रहे वादों की बात करें तो कांग्रेस एक ओर जहां तमाम तरह के न्यायों की गारंटी देने की बात कर रही है वहीं भाजपा ने 'विकसित भारत, विकसित अरुणाचल प्रदेश' नामक संकल्प पत्र में तमाम वादे जनता से किये हैं। महिला सशक्तिकरण, राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण, युवाओं के लिए तमाम सहूलियतें, सरकार की जवाबदेही, राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई और कदम उठाने, राज्य की संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने, सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर आगे बढ़ते रहने, किसानों को आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाने और राज्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने जैसे कई प्रमुख वादे किये गये हैं जोकि जनता को भा रहे हैं।

आप पूरे अरुणाचल प्रदेश में पाएंगे कि कांग्रेस चुनाव प्रचार से पूरी तरह गायब है जबकि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता गली-गली घूम रहे हैं। वैसे अरुणाचल प्रदेश की यह बात अच्छी लगी कि यहां राजनीतिक पार्टियां उत्तर भारत की तरह अनाप शनाप खर्चे नहीं करतीं। यहां लगातार बड़ी रैलियां आयोजित करने से बचा जाता है और लाउडस्पीकरों पर दिनभर अपने उम्मीदवार के लिए प्रचार करते चुनावी वाहनों से मचने वाले शोर भी नहीं सुनाई देते। यहां घर-घर संपर्क और सामाजिक रूप से होने वाले जन एकत्रिकरण के दौरान लोगों को अपने वादों और उपलब्धियों से अवगत कराया जाता है।

अरुणाचल प्रदेश में उम्मीदवारों की बात करें तो 50 विधानसभा सीटों के लिए कुल 133 उम्मीदवार मैदान में हैं। सभी सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। पहले विधानसभा चुनावों की मतगणना लोकसभा चुनावों की मतगणना वाले दिन ही कराने का ऐलान किया गया था लेकिन राज्य विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने के चलते अब दो जून को ही पता चल जायेगा कि राज्य में किस पार्टी की सरकार बनेगी। हम आपको बता दें कि भाजपा के जिन 10 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की है उनमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू भी शामिल हैं। भाजपा यहां सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है इसलिए सवाल उठता है कि क्या बहुमत मिलने पर पेमा खांडू ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे या राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की तरह भाजपा यहां भी किसी नये चेहरे को आगे करेगी?

विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 50 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि विपक्षी कांग्रेस केवल 19 सीटों पर लड़ रही है। इसके अलावा, मेघालय स्थित एनपीपी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं जबकि एनसीपी 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) 11 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा, अरुणाचल डेमोक्रेटिक पार्टी ने चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) एक सीट से लड़ रही है। इसके अलावा 14 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। आंकड़ों के मुताबिक कुल 80 उम्मीदवार पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में आठ महिलाएं हैं- जो राज्य में अब तक के किसी भी विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक संख्या है। भाजपा ने चार महिलाओं को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने तीन महिलाओं को मैदान में उतारा है और एक महिला निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी चुनावी मैदान में है।

दूसरी ओर, अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा सीटों की बात करें तो यहां कुल 14 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। अरुणाचल पश्चिम सीट पर आठ उम्मीदवार और अरुणाचल पूर्व सीट पर छह उम्मीदवार मैदान में हैं। एक साथ होने वाले चुनावों में कुल 8,86,848 लोग मतदान करने के पात्र हैं। राज्य में कुल 2,226 मतदान केंद्र हैं और उनमें से 228 तक ही पैदल पहुंचा जा सकता है। लोंगडिंग विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 2-पुमाओ प्राइमरी स्कूल में मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक 1,462 है, जबकि ह्युलियांग निर्वाचन क्षेत्र के मालोगम गांव में केवल एक मतदाता है। इसके अलावा, तवांग जिले के मुक्तो निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्र संख्या 18-लुगुथांग राज्य का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र है, जो 13,383 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो ऐसा लगता है कि यह शांत प्रदेश इस बात को तय कर चुका है कि राज्य और देश के हित में किस पार्टी की सरकार बनानी है।

पल्सर N250 Vs सुजुकी Gixxer 250: इन दोनों बाइक्स में से कौन है बेहतर, जानें

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में 250 सीसी सेगमेंट में कई बाइक स को ऑफर किया जाता है। लेकिन इनमें से Bajaj Pulsar N250 और Suzuki Gixxer 250 जैसी बाइक स को सबसे ज यादा पसंद किया जाता है। बजाज और हीरो की इन दोनों बाइक स में किस तरह के फीचर्स को दिया जाता है। इनमें कितनी क्षमता का इंजन मिलता है और इनकी कीमत क या है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में 250 सीसी सेगमेंट की कई बाइक्स को ऑफर किया जाता है। इनमें Bajaj Pulsar N250 और Suzuki Gixxer 250 जैसी बाइक्स शामिल हैं। हम इस खबर में आपको इन दोनों बाइक्स में किस तरह के फीचर्स को दिया जाता है। कितना दमदार इंजन मिलता है और इनको किस कीमत पर खरीदा जा सकता है, इसकी जानकारी दे रहे हैं।

कितना दमदार इंजन

भारतीय दोपहिया वाहन निर्माता Bajaj पल्सर सीरीज में N250 को ऑफर करती है। कंपनी की ओर से इस बाइक में 249.7 सीसी का ऑयल कूल्ड इंजन दिया जाता है। जिससे बाइक को 18 किलोवाट की पावर और 21.5 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। बाइक में पांच स्पीड ट्रांसमिशन को ऑफर किया जाता है। वहीं Suzuki Gixxer 250 बाइक में कंपनी की ओर से 249 सीसी का ऑयल कूल्ड एसओएचसी इंजन दिया जाता है। जिससे इसे 26.5 पीएस और 22.2 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। बाइक में छह स्पीड ट्रांसमिशन मिलता है।

कैसे हैं फीचर्स

बजाज पल्सर एन250 बाइक में 165 एमएम की ग्राउंड क्लियरेंस मिलती है। इसके अलावा इसमें यूएसडी फॉर्क, रियर में मोनोशॉक सस्पेंशन, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, डिजिटल स्पीडोमीटर के साथ नेविगेशन डिस्प्ले, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, गियर इंडीकेटर, डिस्टेंस टू एंपटी, एलईडी डीआरएल जैसे फीचर्स दिए जाते हैं। सुजुकी Gixxer 250 में 165 एमएम ग्राउंड क्लियरेंस के साथ डिजिटल स्पीडोमीटर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, ड्यूल चैनल एबीएस और एलईडी लाइट्स जैसे फीचर्स मिलते हैं।

कितनी है कीमत

Bajaj Pulsar N250 को कंपनी की ओर से 1.50 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया जाता है। वहीं Suzuki Gixxer 250 को कंपनी की ओर से 1.81 लाख रुपये की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया जाता है। इसके राइड कनेक्ट एडिशन की एक्स शोरूम कीमत 1.98 लाख रुपये है।

पीएम मोदी ने एलन मस्क और टेस्ला को लेकर कह दी बड़ी बात, बोले - पैसा किसी का हो...

एलन मस्क की कंपनियां Tesla और Starlink के भारत आने से जुड़े सवाल पर जवाब देते हुए पीएम नरेंद्र मोदी का कहना है कि भारत में कोई भी निवेश कर सकता है। लेकिन उत्पादन भारतीयों द्वारा किया जाना चाहिए। एएनआई को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने मस्क से अपनी पहली मुलाकात का भी जिक्र किया।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को मिल रहे ग्लोबल इन्वेस्टमेंट का स्वागत किया है। लेकिन, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस को लेकर उनका मानना है कि इसमें देश की मिट्टी की खुशबू आनी चाहिए और उससे देश के नागरिकों का हित जुड़ा होना चाहिए।

समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि भारत में कोई भी निवेश कर सकता है। लेकिन, उत्पादन भारतीयों द्वारा किया जाना चाहिए। एलन मस्क के Tesla और Starlink के भारत आने से जुड़े सवाल पर भी जवाब दिया।

मैं चाहता हूं भारत में इन्वेस्टमेंट आए, यह मायने नहीं करता कि कौन पैसा इन्वेस्ट कर रहा है। लेकिन, पसीना मेरे देश के लोगों का लगना चाहिए। उस उत्पाद से हमारे देश की खुशबू आनी चाहिए, जिससे देश के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेगा।

...जब मस्क से पहली बार मिले मोदी

टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क खुले मंच से यह कह चुके हैं कि वे पीएम मोदी के फैन हैं। पीएम मोदी ने 2015 के एक वाकये को याद करते हुए इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा, बात तब की है जब में अमेरिकी दौरे के दौरान टेस्ला के कारखाने को देखने गया था, तो मुझसे मिलने के लिए उन्होंने अपनी पहले से तय मीटिंग कैंसिल कर दी थी।

पीएम आगे बताते हैं कि मस्क ने पूरी फैक्ट्री दिखाई और मैंने उनके विजन को समझा। मैं साल 2023 में फिर से उनसे मिला और अब वे भारत आ रहे हैं। हालांकि, पीएम मोदी ने इंटरव्यू में यह भी कहा कि मस्क मेरे फैन हैं ऐसी कोई बात नहीं है।

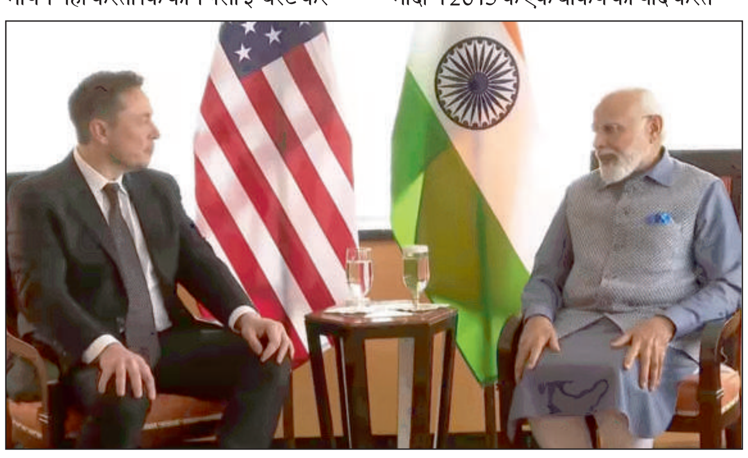

इसी महीने भारत आएंगे मस्क

एलन मस्क इसी महीने पीएम मोदी से मिलने भारत आएंगे। टेस्ला के प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए यह जानकारी दी है। संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं इस दौरान मस्क भारत में निवेश को लेकर बड़ा एलान कर सकते हैं। हालांकि मस्क के भारत दौरे के एजेंड़े को लेकर कुछ भी ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है।

भारत आने को बेकरार मस्क

एलन मस्क भारत में टेस्ला की एंट्री को लेकर शुरुआत से काफी उत्सुक हैं। वे इसे लेकर समय-समय पर अपनी इच्छा जाहिर करते रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि जनसंख्या के आधार पर भारत अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत में भी वैसे ही इलेक्ट्रिक कारें होनी चाहिए जैसे हर देश में इलेक्ट्रिक कारें होती हैं। टेस्ला की इलेक्ट्रिक गाड़ियां भारत में उपलब्ध होना स्वाभाविक है।

तेजी से बढ़ रहा ईवी सेक्टर

एएनआई को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि भारत इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कंपनियों को यहां निवेश करना चाहिए। इस इंटरव्यू में ईवी सेल का जिक्र करते हुए पीएम कहते हैं कि 2014-15 में सिर्फ 2,000 ईवी बिकी हुई थी, जो 2023-24 में बढ़कर 12 लाख हो गई है। इसका मतलब है कि देश में इतनी संख्या में बड़े चार्जिंग स्टेशन का नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। यानी ईवी को लेकर देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कम कीमत में ज्यादा फीचर्स के साथ लॉन्च हुआ टोयोटा इनोवा हायक्रॉस का नया वेरिएंट

जापानी वाहन निर्माता Toyota की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन हैचबैक एमपीवी और एसयूवी को ऑफर किया जाता है। Toyota Bharat की ओर से MPV सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Innova Hycross का नया वेरिएंट लॉन्‍च किया गया है। इस वेरिएंट को किस कीमत पर लाया गया है और इसमें कैसे फीचर्स दिए जा रहे हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में Toyota Bharat की ओर से MPV सेगमेंट में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली Innova Hycross के नए वेरिएंट को लॉन्च कर दिया गया है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि इस एमपीवी के किस वेरिएंट को कंपनी ने लॉन्च किया है। इसमें किस तरह की खूबियों को दिया गया है और इसकी कीमत क्या रखी गई है।

Toyota Innova Hycross का नया वेरिएंट लॉन्‍च

टोयोटा की ओर से इनोवा हाईक्रॉस के नए वेरिएंट को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इस एमपीवी के नए वेरिएंट के तौर पर GX (O) को लाया गया है। इसमें कंपनी की ओर से कई बेहतरीन फीचर्स को भी ऑफर किया जा रहा है।

कैसे हैं फीचर्स

टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस के नए वेरिएंट GX (O) में कंपनी ने एलईडी फॉग लैंप, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, रियर डिफॉगर, चेस्टनट थीम इंटीरियर, डैशबोर्ड पर सॉफ्ट टच मेटिरियल, डोर पैनल पर सॉफ्ट टच मेटिरियल, मिड ग्रेड फैब्रिक सीट के साथ रियर सनशेड, ऑटो एसी, 10.1 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलैस कार प्ले, एंड्राइड ऑटो, पैनोरमिक व्यू मॉनिटर, 16 इंच सिल्वर अलॉय व्हील्स, ऑटो फोल्ड ओआरवीएम, इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक, ऑटो होल्ड, ऑल व्हील डिस्क ब्रेक, छह एयरबैग, पांच साल रोड साइड वारंटी जैसे कई फीचर्स के साथ ही इसे सात रंगों के विकल्प के साथ उपलब्ध करवाया गया है।

कितना दमदार इंजन

इनोवा हाईक्रॉस के नए वेरिएंट में कंपनी ने दो लीटर पेट्रोल इंजन दिया है। जिससे 174 पीएस और 205 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इस इंजन के साथ ही डायरेक्ट शिफ्ट सीवीटी ट्रांसमिशन को दिया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक इसे एक लीटर पेट्रोल में 16.13 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है।

इलेक्ट्रिक कार की सर्विस के समय किन बातों का रखें ध्यान, नहीं होंगे परेशान

पेट्रोल और डीजल कारों के साथ ही देश भर में Electric Car की मांग भी लगातार बढ़ रही है। सामान्‍य कार के मुकाबले Electric Car की सर्विस करवाते हुए अगर लापरवाही बरती जाए तो फिर परेशानी भी हो सकती है। इस तरह की कार की Service के समय किन बातों का ध्‍यान रखना काफी जरूरी होता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। इंजन वाली पेट्रोल डीजल कारों के मुकाबले Electric Car की देखभाल थोड़ी अलग तरह से की जाती है। इसके साथ ही इनकी Service के समय पर भी कुछ चीजों पर खास ध्यान देने की जरूरत पड़ती है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि Electric Car की Service के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

समय पर करवाएं Electric Car की Service

इलेक्ट्रिक कार की सर्विस को हमेशा समय पर करवाना चाहिए। ऐसा करने से कई महत्वपूर्ण पार्ट्स में खराबी की समस्या को दूर रखने में मदद मिलती है। साथ ही समय पर सर्विस करवाने के कारण कार को लंबे समय तक चलाया जा सकता है।

बैटरी की जांच करवाएं

जब भी इलेक्ट्रिक कार को सर्विस के लिए लेकर जाएं, तो हमेशा उसकी बैटरी की जांच भी करवाएं। इससे आपको जानकारी मिलती है कि आपकी कार में लगी बैटरी की हेल्थ कितनी बेहतर है।

कूलेंट भी करें चेक

इलेक्ट्रिक कार में भले ही इंजन न हो, लेकिन कई कारों में कूलेंट के जरिए बैटरी के तापमान को सामान्य बनाया जाता है। ऐसे में जब भी सर्विस करवाएं तो हमेशा कूलेंट को भी चेक करवाएं। अगर जरूरत हो तो कूलेंट बदलें या फिर उसे टॉप-अप करवाएं। इससे बैटरी के तापमान को सामान्य बनाए रखने में मदद मिलती है।

इनका भी रखें ध्‍यान

इलेक्ट्रिक कार की सर्विस के समय बैटरी, मोटर और कूलेंट के साथ ही ब्रेक पैड, लाइट्स, टायर का ध्यान भी रखना चाहिए। जरूरत हो तो टायर रोटेशन करवाएं। इसके अलावा ब्रेक पैड भी बदले जा सकते हैं। लाइट्स की सेटिंग को भी सर्विस के दौरान ही ठीक करवाया जा सकता है।

न करें यह काम

इलेक्ट्रिक कार की सर्विस के साथ ही कुछ बातों का ध्यान रोजमर्रा के समय भी रखना चाहिए। कभी भी इलेक्ट्रिक कार को सूरज की सीधी रोशनी में पार्क न करें। ऐसा करने से भी बैटरी और मोटर पर बुरा असर होता है। साथ ही हर बार फास्ट चार्जिंग की जगह कार को सामान्य चार्जर से चार्ज करना चाहिए। इससे बैटरी की उम्र को बढ़ाने में मदद मिलती है।

मानव विकास में बेहतरी जरूरी

डा. जयंती लाल भंडारी

भारत की रैंकिंग में पिछले वर्ष की एचडीआई रिपोर्ट के मुकाबले एक पायदान का सुधार हुआ है। संयुक्त राष्ट्र ने भारतीय लोगों के मानव विकास सूचकांक में भारत की औसत बढ़त की सराहना की है। निःसंदेह भारत के मानव विकास सूचकांक में बढ़त का एक प्रमुख कारण भारत में गरीबी में कमी आना है।

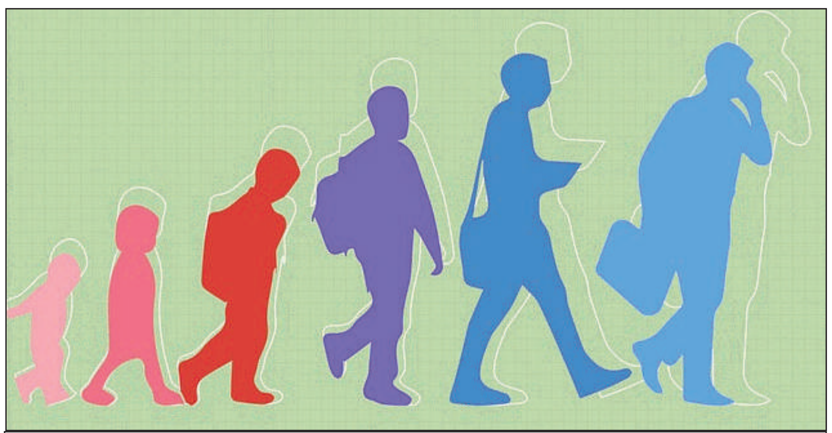

देश की नई पीढ़ी के लिए अधिक से अधिक करियर के मौके जुटाने के लिए एक ओर सरकार के द्वारा डिजिटल शिक्षा के रास्ते में दिखाई दे रही कमियों को दूर करना होगा, वहीं दूसरी ओर नई पीढ़ी के द्वारा करियर में आगे बढ़ने और रोजगार में आने के बाद भी काम करते हुए लगातार बदलती हुई रोजगार की दुनिया के अनुरूप नए स्किल्स सीखने होंगे...

यकीनन पिछले कई दशकों से मानव विकास के विभिन्न आयामों, गरीबी, जीवन स्तर और शिक्षा जैसे मुद्दों की चुनौतियों का सामना कर रहा भारत अब धीरे-धीरे इन चुनौतियों से पार पाते हुए आगे बढ़ रहा है। लेकिन अभी बेहतरी के लिए मीलों चलना बाकी है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी नई मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) रिपोर्ट में भारत अब 193 में से 134वें स्थान पर है। भारत की रैंकिंग में पिछले वर्ष की एचडीआई रिपोर्ट के मुकाबले एक पायदान का सुधार हुआ है। संयुक्त राष्ट्र ने भारतीय लोगों के मानव विकास सूचकांक में भारत की औसत बढ़त की सराहना की है। निःसंदेह भारत के मानव विकास सूचकांक में बढ़त का एक प्रमुख कारण भारत में गरीबी में कमी आना है। हाल ही में अमरीका के प्रसिद्ध थिंक टैंक द ब्रूकिंग्स इंस्ट्रीट्यूशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वर्ष 2011-12 में भारत की 12.2 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीब थी, वहीं यह वर्ष 2022-23 में घटकर महज दो फीसदी ही रह गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन करने में सफलता मिल गई है। तेज विकास और असमानता में कमी के चलते भारत को यह कामयाबी मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल आबादी में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वालों (प्रतिदिन 1.90 डालर से कम खर्च करने वाले) की संख्या 2011-12 की 12.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में दो प्रतिशत आ गई है। गरीबों की संख्या में हर वर्ष 0.93 प्रतिशत की कमी के बराबर है। ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबों की संख्या घटकर 2.5 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में एक प्रतिशत रह गई है। कहा गया है कि भारत में गरीबों की संख्या में जो गिरावट बीते 11 वर्षों में हुई है, इससे पहले वह गिरावट 30 वर्षों में हुई थी।

इसी तरह थिंक टैंक नीति आयोग ने कहा है कि भारत में सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों से बीते नौ वर्षों में करीब 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद मिली और भारत वर्ष 2030 तक बहुआयामी गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य में सफलता प्राप्त करने की पूरी संभावनाएं रखता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज, स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना, पेयजल सुविधा के लिए जल जीवन मिशन व जन-धन खाते की सुविधा आदि से लोगों को गरीबी से ऊपर लाने में खासी मदद मिली है। खास तौर से गरीबों के सशक्तिकरण में करीब 51 करोड़ से अधिक जनधन खातों (जे), करीब 134 करोड़ आधार कार्ड (ए) तथा करीब 118 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं (एम) की शक्ति वाले जैम से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढांचे की असाधारण भूमिका रही है। इसी शक्ति के बल पर देश के गरीब लोगों के खातों में सीधे आर्थिक राहत हस्तांतरित हो रही है। इससे देश के करोड़ों गरीबों के मानव विकास सूचकांक में वृद्धि हुई है। इस समय चिंताजनक वैश्विक रोजगार परिदृश्य के बीच भारत में बढ़ती हुई तेज अर्थव्यवस्था के कारण रोजगार-स्वरोजगार के मौके बढ़ रहे हैं, उससे भी मानव विकास सूचकांक के बेहतर होने में लाभ मिला है। भारत में दुनिया के अन्य देशों की तुलना में वेतन वृद्धि और रोजगार मौके बढ़ने का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। खास तौर से डिजिटल इकोनॉमी के तहत ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, ट्रांजेक्शन, डेटा एनालिसिस, सायबर सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड, हॉस्पिटेलिटी, डेटा साइंस, कंटेंट क्रिएशन, ब्लॉकचेन मेटावर्स, नेटवर्किंग, रिलेशनशिप बिल्डिंग, डिजिटल लिटरेसी, इमोशनल इंटेलिजेंस ग्रोथ और क्रिटिकल थिंकिंग से जुड़े रोजगार अवसर भी तेजी से बढ़े हैं। नई स्टार्टअप्स से युवाओं के लिए लाखों रोजगार बन रहे हैं। देश की नई प्रतिभाशाली पीढ़ी के बल पर देश स्टार्टअप और सॉफ्टवेयर से लेकर स्पेस जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सामर्थ्यवान देश के रूप में उभर रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है और देश में स्टार्टअप्स की संख्या अब 1.25 लाख के आसपास पहुंच रही है।

'इनमें बड़ी संख्या में स्टार्टअप टियर 2 और टियर 3 शहरों में हैं। सरकार की कवायदों से युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के लिए निजी क्षेत्र के साथ सरकारी क्षेत्र में भी नए रोजगार अवसर बढ़े हैं। सरकार के द्वारा रोजगार बढ़ाने के लिए लागू की गई विभिन्न योजनाओं पीएम ऋण योजना, पीएम स्वनिधि योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मनरेगा आदि के तहत करोड़ों युवाओं की मुट्ठियों में रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश में आम आदमी के कल्याण के लिए लागू की गई विभिन्न सरकारी स्वास्थ योजनाएं स्वास्थ्य की चुनौती को कम करने में सहायक रही हैं। इन योजनाओं में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना, आम आदमी बीमा योजना, वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा योजना महत्वपूर्ण हैं। आम आदमी के स्वास्थ में सुधार से भी देश के मानव विकास सूचंकाक में वृद्धि हुई है। लेकिन अभी भी देश दुनिया के अनेक देशों की तुलना में मानव विकास सूचकांक में बहुत पीछे है। ऐसे में हमें यह ध्यान रखना होगा कि जहां अर्थव्यवस्था समाज का अहम हिस्सा है, वहीं मानव विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सरकार के द्वारा सामाजिक अधोसंरचना पर उसी तरह निवेश किया जाना होगा, जिस तरह भौतिक अधोसंरचना पर खर्च किया जा रहा है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अभी देश में करोड़ों लोगों की गरीबी और स्वास्थ्य की चुनौतियां बड़े पैमाने पर स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। देश में अभी भी 15 करोड़ से अधिक लोग गरीबी की चिंताओं का सामना कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि 2017 में नई राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में 2025 तक स्वास्थ्य पर खर्च को सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत किया जाना निर्धारित किया गया था। फिर पंद्रहवें वित्त आयोग ने पहली बार स्वास्थ्य के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित की थी। इस कमेटी ने भी स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च को 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाने की बात कही है। इस मामले में देश अभी भी पीछे है। अब देश में डिजिटल शिक्षा की जरूरत बढ़ गई है और इसकी अहमियत रोजगार में भी बढ़ गई है।

ऐसे में देश की नई पीढ़ी के लिए अधिक से अधिक करियर के मौके जुटाने के लिए एक ओर सरकार के द्वारा डिजिटल शिक्षा के रास्ते में दिखाई दे रही कमियों को दूर करना होगा, वहीं दूसरी ओर नई पीढ़ी के द्वारा करियर में आगे बढ़ने और रोजगार में आने के बाद भी काम करते हुए लगातार बदलती हुई रोजगार की दुनिया के अनुरूप नए स्किल्स सीखने होंगे। अर्थव्यवस्था को अधिक दक्ष व योग्य श्रम बल की जरूरत है जिसके लिए शिक्षा पर जीडीपी का करीब छह फीसदी हिस्सा खर्च किया जाना जरूरी है। ऐसे में हम उम्मीद करें कि सरकार द्वारा यूएनपीडी की मानव विकास सूचकांक रिपोर्ट 2022 के मद्देनजर देश में मानव विकास की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली, न्यायसंगत और उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, सार्वजनिक सेवाओं में स्वच्छता, बहुआयामी गरीबी, भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए नई जनकल्याण योजनाओं, सामुदायिक रसोई व्यवस्था तथा पोषण अभियान-2 को पूरी तरह कारगर व सफल बनाया जाएगा। निश्चित रूप से ऐसा होने पर आगामी वर्ष प्रकाशित होने वाले आगामी मानव विकास सूचकांक में भारत की मानव विकास रैंकिंग में सुधार आएगा।

संपादक की कलम से

इजरायल-ईरान युद्ध

कहावत है कि पूरा विश्व ही एक कुटुम्ब जैसा है। यह दौर शांति, स्थिरता और सहयोग का है, लिहाजा युद्ध की गुंजाइश नगण्य है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध ने तमाम मान्यताओं को झुठला दिया है। बेशक विश्व-युद्ध न छिड़ा हो, लेकिन आसार हररोज वैसे ही बनते रहे हैं। जिस तरह दुनिया की ताकतें विभाजित रही हैं, उसके मद्देनजर यह विश्व-युद्ध का ही एक रूप है। यह युद्ध जारी है, लेकिन बीते 6 माह के दौरान इजरायल और हमास की हुकूमत वाली गाजा पट्टी में लगभग नरसंहार जारी रहा है। करीब 35,000 मासूम लोगों की हत्या कर दी गई। असंख्य घायलों के कुचले-मसले चेहरे बेहद पीड़ादायक हैं और हवाई हमलों ने जो विध्वंस किए हैं, न जाने उनका पुनर्निर्माण कब होगा? हालांकि सतही तौर पर युद्ध-विराम कराया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठकों में नरसंहार पर विराम लगाने के प्रस्ताव पारित किए गए हैं, लेकिन इजरायल अपनी बेलगाम आक्रामकता से बाज नहीं आता और संघर्ष-विराम पर वह अपनी मनमर्जी के फैसले लेता रहा है। चूंकि इजरायल-हमास युद्ध के दौरान ईरान, यमन, लेबनान, कतर आदि देश फलस्तीनियों के घोर समर्थक रहे थे, लिहाजा अब ऐसी नौबत आ गई है कि इजरायल और ईरान के दरमियान युद्ध जैसा तनाव उभर आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान कभी भी इजरायल पर हमला बोल सकता है। यह तनाव इतना बढ़ गया है कि एक ही दिन में अमरीकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को तुर्किये, चीन, सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों से बातचीत करनी पड़ी। यह समझाने की कोशिश की जा रही है कि मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ता है, तो वह किसी के हित में नहीं होगा। अमरीका ने ईरान को सचेत किया है कि वह हमला न करे।

ईरान के साथ अमरीका का तनाव काफी पुराना है, जाहिर है कि ईरान अमरीका के परामर्श को भाव न दे। दरअसल सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमले के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया गया था। हालांकि इजरायल ने उन आरोपों को खारिज किया था। उस हमले में 'इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' के वरिष्ठ सदस्य मारे गए थे, लिहाजा ईरान पर दबाव रहा है कि वह अपने जांबाजों की मौत का बदला ले। यदि ईरान बदला लेता है, तो अरब दुनिया में एक नया युद्ध छिड़ जाएगा। यदि युद्ध का विस्तार होता है, तो भारत के 1.1 लाख करोड़ रुपए के कारोबार पर संकट छा सकता है। ईरान के साथ भारत का 20,800 करोड़ रुपए का कारोबार है। भारत चाय, कॉफी और चीनी ईरान को निर्यात करता है। ईरान से हमने पेट्रोलियम कोक, नट्स और एसाइक्लिक एल्कोहल समेत अन्य चीजों का करीब 5500 करोड़ रुपए का आयात किया। ईरान की चाबहार बंदरगाह और उससे लगे चाबहार स्पेशल इंडस्ट्रियल जोन में भी भारत साझेदार है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में इजरायल के साथ भारत ने करीब 89,000 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। इसमें से करीब 70,000 करोड़ रुपए का निर्यात शामिल था। कारोबार के अलावा, इजरायली सरकार ने घोषणा की थी कि मजदूरों की कमी से निपटने और निर्माण उद्योग की सहायता के लिए 6000 से अधिक भारतीय श्रमिक अप्रैल-मई में इजरायल आएंगे। युद्ध के आसार बनने के कारण भारत सरकार को परामर्श जारी करना पड़ा है कि भारतीय ईरान और इजरायल की यात्रा न करें। ईरान में करीब 4000 भारतीय रहते हैं और इजरायल में 18,500 के करीब प्रवासी भारतीय बसे हुए हैं। असमंजस के इन हालात में भारत सरकार क्या करेगी? युद्ध की आशंका के कारण कच्चा तेल 85 डॉलर से महंगा होकर 90 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। नीदरलैंड ने तेहरान में अपना दूतावास बंद कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ से लंदन जाने वाली उड़ानों का रूट बदल दिया है। भारत ने भी ईरान हवाई क्षेत्र से गुजरने वाली उड़ानों के रास्ते बदल दिए हैं।

ज्ञान

छिलकों की छाबड़ी : शव संवाद-39

इस युग में भगवान की कृपा से भी अधिक दयालु हो सकता है किसी आईपीएल मैच का फ्री पास। आईपीएल का एक फ्री टिकट, चुनाव के टिकट से कहीं अधिक प्रगाढ़ रिश्तों का प्रतीक और समाज में स्टेटस सिंबल का प्रहरी हो सकता है। आजकल हम ऋण लेकर कर्जदार नहीं, बल्कि मुफ्त का कुछ पाकर हो रहे हैं। आज देश का हर नागरिक सुबह उठकर सबसे पहले मुफ्त की राह पर खड़ा होकर, देश के लिए कर्जदार होना चाहता है। इन्हीं चुनावों में राजनीति इस प्रयास में है कि हमें मुफ्त की वाणी में, मुफ्त के प्रचार में, मुफ्त के दरबार और मुफ्त के व्यवहार में इतना बढ़कर जीना सिखाए कि हम कायल होकर समर्पित कर्जदार हो जाएं। कर्जदार भी कई तरह के हैं, लेकिन देश को ऐसे चाहिएं जो केवल वफादार हों, नागरिक नहीं। जरा गौर करें हमने भगवान को साक्षात तब ही देखा, जब सरकारों ने मुफ्त में हमें वरदान दिया। इसलिए देश की भक्ति किसी न किसी तरह की मुफ्त में गारंटी है। यह विशेषाधिकार का प्रकटीकरण है जो केवल उसे मिलेगा जो मुफ्त में पाना चाहता है। मुफ्त में जीने की पीढ़ी तैयार करना आसान नहीं। पूरे पचहत्तर साल लगे और अब कहीं जाकर पता चला कि भारत के नागरिक इतने क्षमतावान और लोकतंत्र इतना परिपक्व हो गया कि सुबह से शाम तक कोई भी सियासी दल हमें मुफ्त में खिला, पिला या बतिया कर मुरीद बना सकता है। सोचें जिसे इसी तर्ज पर मुफ्त में आईपीएल मैच देखने को मिल जाए, उसे क्रिकेट पर कितना भरोसा हो जाएगा, बल्कि एक यही खेल है जो खुद अमीर और दर्शक को कर्जदार बना रहा है।

सोचिए अगर आईपीएल में मुफ्त के दर्शक न हों तो क्रिकेट कितनी कमजोर हो सकती है। वैसे हर कोई टिकट खरीदने के काबिल हो भी नहीं सकता। अब तो ट्रेन पर टिकट लेकर चढ़ने का सामर्थ्य भी हर किसी के पास नहीं। जो टिकट खरीदने की हैसियत में हैं, उनके लिए वंदे भारत है, वरना रेलवे की पटरियों के पास झुग्गियों में जो मुफ्त में जी रहे हैं, उन्हें टिकट की क्या जरूरत। भारतीय रेल जबसे दौड़ रही है, देश की तस्वीर सुबह-शाम पटरियों के करीब व्यस्त है। दरअसल देश को देश की असमर्थता सक्रिय करती है। जबसे सरकारें सक्रिय बने रहने की भूमिका में प्रयास कर रही हैं, असमर्थता अब प्रगति का पैमाना हो गई है।

हम अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज देकर महान हैं, क्योंकि यह देश को ही नहीं, नागरिकों को भी सक्रिय बनाता है। हम राशन के डिपो और चुनाव के मंच के पास इसलिए सक्रिय हैं, क्योंकि दोनों जगह अब मुफ्त की गारंटियां चस्पां हैं। आईपीएल में जो टिकट खरीद सकते हैं, वे केवल बिना छत के ब्लॉक में अपना सामर्थ्य, संयम और स्वास्थ्य महसूस कर सकते हैं। वैसे क्रिकेट ने इतना उत्साह देश को दे ही दिया है कि हम खबरों के बजाय स्कोर बोर्ड में भी अपनी वृद्धि दर, वैश्विक रिकार्ड, भविष्य की संभावना और खेल में आर्थिकी देख सकते हैं। फिर भी अब देश मुफ्त की आर्थिकी में सारे विश्व को चकमा देकर ही रहेगा। आश्चर्य यह कि बुद्धिजीवी अब रसोई गैस की सबसिडी गिन गिन कर थक गया है। वह आईपीएल मैचों में भारत की तरक्की देख अब भरोसा करने लगा है कि देश कहीं तो चल रहा है। स्टेडियम के बाहर उसने जाना कि भारत की सारी सतर्कता, सारी चौकसी, सारा मनोरंजन और प्रगतिशील लोग यहीं हैं। लोग मैच से पहले और बाद में एक जैसे खुश थे, लेकिन फ्री का टिकट उदास था।

अफस्पा हटाने से पहले अमन की शमां जले

प्रताप सिंह पटियाल

अफस्पा रुखसत करने के बजाय आतंक के कारण चार दशकों से अपने ही मुल्क में शरणार्थी बनकर तर्क-ए-वतन का दंश झेल रहे कश्मीर के मूल निवासियों की सुध लेनी चाहिए। कश्मीर में टारगेट कीलिंग का सिलसिला जारी है'

आतंकवाद मानवता के खिलाफ सबसे गंभीर मसला बन चुका है। भारत का हमसाया मुल्क पाकिस्तान वजूद में आते ही आतंक का मरकज बन गया था। नतीजतन जन्नत कही जाने वाली 'कश्यप ऋषि' की तपोभूमि कश्मीर को पाक प्रशिक्षित आतंकियों ने जिहाद के नाम पर तीन दशक पूर्व जहन्नुम में तब्दील कर दिया था। जब किसी सूबे में तस्सद्दुद व अस्थिरता का तनाजुर पैदा हो जाए, दहशतगर्दी जैसे गंभीर मसले से निपटने में प्रशासन व राज्य पुलिस बल विफल हो जाए, तो ऐसे सूरतेहाल में अशांत क्षेत्रों में कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए वहां सक्रिय सशस्त्र बलों को 'आम्र्ड फोर्सेज स्पेशल पावर एक्ट' (अफस्पा) कानून विशेष शक्तियां प्रदान करता है। सन् 1958 में वजूद में आया संसदीय अधिनियम अफस्पा सुरक्षा बलों को ऑपरेशन करने, तलाशी अभियान तथा किसी व्यक्ति को संदेह के आधार पर बिना वारंट के गिरफ्तार करने तथा कानून तोड़ने पर गोली चलाने का अधिकार देता है। हालांकि बर्तानिया बादशाही के दौर में अंग्रेज वायसराय 'लिनलिथगो' ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' को दबाने के लिए सैन्य बलों को 'सशस्त्र बल' अध्यादेश 1942 पारित करके शक्तियां प्रदान की थीं। उसी अध्यादेश की तर्ज पर 'अफस्पा अधिनियम 1958' अमल में लाया गया था। कुछ वर्षों से आतंक की जद में आ चुके जम्मू कश्मीर व पूर्वोत्तर तथा माओवाद व नक्सलवाद से जूझ रहे राज्यों में स्थानीय पुलिस बल आतंकियों से निपटने में असमर्थ रहे हैं। अतः देश की एकता-अखंडता को बरकरार रखने के लिए इन राज्यों में अफस्पा लागू करके सेना व अर्धसैन्य बलों की तैनाती करनी पड़ी है। पैंतीस वर्ष पूर्व पाक परस्त आंतकियों की कलाश्निकोव राइफलों की आवाज से समूचा कश्मीर थरथरा रहा था। कश्मीर में आतंकी एक विशेष समुदाय की हत्याएं कर रहे थे।

आतंक के आगे बेबस कश्मीर के मूल निवासी अपनी पुश्तैनी जागीरें छोड़कर हिजरत को मजबूर हुए थे। जब घाटी में आतंक चरम पर था, उस वक्त जुलाई 1990 में जम्मू कश्मीर राज्य में अफस्पा कानून लागू हुआ था। हाल ही में देश के गृहमंत्री ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि चुनावों के बाद कश्मीर से अफस्पा हटाने पर विचार किया जाएगा, जबकि आतंकियों की हलाकत पर मातम मनाने वाली अलगाववादी ताकतें एक मुद्दत से अफस्पा हटाने का मुतालबा कर रही हैं। आजादी के बाद से ही जम्मू-कश्मीर राज्य पाक प्रायोजित छद्म युद्ध का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के साथ चार बड़े युद्धों में अदावत का मरकज कश्मीर ही था। हिमाचल प्रदेश के 'परमवीर चक्र' विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा व कैप्टन विक्रम बत्रा ने जम्मू कश्मीर की सरजमीं को महफूज रखने के लिए शहादत को गले लगाया था। शांतिकाल के सर्वोच्च पदक 'अशोक चक्र' से सरफराज हिमाचल के शूरवीर कै. संदीप सांकला व मेजर सुधीर वालिया ने कश्मीर के महाज पर ही अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। सूबेदार प्रेमचंद व सूबेदार संजीव कुमार वीरभूमि के दोनों 'कीर्ति चक्र' विजेता कश्मीर में आतंक के खिलाफ लड़ते हुए बलिदान हुए थे। भावार्थ यह है कि कश्मीर की सुरक्षा में देश के हजारों सैनिक फिदा-ए-वतन हो चुके हैं। यदि अफस्पा लागू होने से मानवाधिकारों का हनन होता है तो मादर-ए-वतन के लिए शहादत का जाम पीने वाले सैनिकों व उनके परिवारों के मौलिक अधिकारों का जिम्मेवार कौन है? देश में आतंकी हमले हों या प्राकृतिक आपदाएं, भारतीय सेना अपने नागरिकों की सुरक्षा में हमेशा मुस्तैद है। अफस्पा के मुद्दे पर मुल्क की सियासी हरारत एक मुद्दत से बढ़ती रही है। सामरिक विषयों में अनुभवहीन लोग अफस्पा की मुखालफत में अक्सर आवाज बुलंद करते हैं।

मणिपुर राज्य की मानवाधिकार कार्यकर्ता 'इरोम शर्मिला' ने अफस्पा के विरोध में अपना अनशन लगभग सोलह वर्ष बाद सन् 2015 में तोड़ा था। सन् 2012 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी अफस्पा का विरोध किया था। देश के कई पूर्व न्यायाधीश भी अफस्पा हटाने की वकालत करते आए हैं। लेकिन सन् 1990 के दशक में आतंक के कारण घाटी से पलायन करने वाले पंडितों की सुरक्षा के लिए उस खौफनाक मंजर में कोई सियासी रहनुमां, स्थानीय पुलिस बल, अदालतें, कानून, मानवधिकार आयोग व संयुक्त राष्ट्र संघ तथा देश की अलगाववादी ताकतों से हमदर्दी का इजहार करने वाली संस्थाएं नजर नहीं आई थी। आतंक के उस डरावने माहौल में आधुनिक हथियारों से लैस पाक प्रशिक्षित आंतकियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के जवानों ने ही कश्मीर की सरजमीं पर अपनी दास्तान-ए-शुजात का परिचय दिया था। अफस्पा रुखसत करने के बजाय आतंक के कारण चार दशकों से अपने ही मुल्क में शरणार्थी बनकर तर्क-ए-वतन का दंश झेल रहे कश्मीर के मूल निवासियों की सुध लेनी चाहिए। मगर इस मुद्दे पर सियासत के लब-ए-इजहार पर खामोशी की रजामंदी है। प्रश्न यह है कि यदि पुलिस बल अपने राज्यों की सुरक्षा व्यवस्था को संभालने में सक्षम हैं तो सेना को वापस भेजा जाए। भारत चारों तरफ से आंतकियों की तर्जुमानी करने वाले पाकिस्तान, चीन, अफगानिस्तान व बांग्लादेश जैसे नामुराद मुल्कों से घिरा है। कई मुल्क भारत को खंडित करने का मंसूबा रचने वाले तत्त्वों की हिमायत कर रहे हैं।

कश्मीर में टारगेट कीलिंग का सिलसिला जारी है। ऐसे सूरतेहाल में आतंकी गतिविधियों में मुल्लविस होकर बेगुनाह लोगों की हत्याएं करने वाले दहशतगर्दों के खिलाफ यदि सैन्यबलों की तैनाती करनी है तो सैनिकों का मनोबल मजबूत रखना होगा। रक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर सामरिक क्षेत्र के अनुभवी भूतपूर्वक सैनिकों से गुफ्तगू होनी चाहिए। अलबत्ता राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रनीति के नजरिए से देखना होगा। कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था के पेशेनजर अफस्पा रुखसत करने से पहले घाटी में अमन की शमां जलनी चाहिए। कश्मीर की सरजमीं को रक्तरंजित करने वाली पाक परस्त दहशतगर्दी का फन कुचलने वाली भारतीय सेना को संसदीय अधिनियम अफस्पा जैसी कानूनी शक्तियां देकर मानसिक तौर पर मजबूत करना होगा, ताकि सैनिक आतंकियों को जहन्नुम की परवाज पर बेखौफ होकर भेज सकें।

हिमाचल के समीप केजरीवाल

देश की राजनीति में अपराजेय चेहरों के बीच द्वंद्व अब नए हालात पैदा कर रहा है। विचारधाराओं से ऊपर नेताओं की ब्रांडिंग का ही असर है कि क्षेत्रीय क्षत्रप भी दीवारों के पीछे अपने-अपने दुर्गों की रक्षा कर रहे हैं। जहां राष्ट्रीय राजनीति विपक्ष के सीमा क्षेत्र में क्षेत्रीय क्षत्रपों की भूमिका को इंगित कर रही है, वहीं पिछला एक दशक भाजपा से कहीं आगे मोदी मैजिक का कमाल दिखाता रहा है, लेकिन इसी बीच आम आदमी पार्टी का उदय और अरविंद केजरीवाल की प्रमाणिकता ने राजनीति के एक नई शैली विकसित कर दी है। जनता तक सीधे लाभ और समाज के निम्न वर्ग में सार्वजनिक संसाधनों का बंटवारा, उन्हें चुनाव का जादूगर बना देता है। विपक्ष में केजरीवाल सियासत का एक मापदंड है और इसलिए मोदी बनाम केजरीवाल मुकाबले का एक फलक है। दिल्ली के बाद पंजाब और गुजरात में केजरीवाल ने अपनी उपस्थिति का एक फैक्टर बनाया, तो यही मूल्यांकन अब क्षेत्रीय शक्तियों को मोदी के करिश्मे के सामने खड़ा कर सकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल की बागडोर संभाले सुखविंदर सिंह सुक्खू का भी गाहे बगाहे दो तरह से मुकाबला हो रहा है। पहला यही है कि वह अपनी कार्य पद्धति में केजरीवाल के नजदीक खड़े हो रहे हैं, दूसरे यह कि लोकसभा तथा उपचुनावों में वह मोदी के सामने अपना फैक्टर कितना उबार पाते हैं। कहना न होगा कि सियासत की अपनी समझ व पकड़ में सुक्खू दिल्ली के मुख्यमंत्री की तरह प्रभुत्व में रहना जानते हैं। वह पार्टी की ओर से हिमाचल में राजनीतिक दौलत के रूप में स्वीकार्य हैं और इसीलिए राज्य में अपनी इच्छानुसार फैसले लेने के लिए स्वतंत्र दिखाई पड़ते हैं। बतौर मुख्यमंत्री सुक्खू का हस्तक्षेप पार्टी मामलों में भी निर्बाध और ताकतवर है, यह वर्तमान राजनीतिक संकट में भी साबित हो चुका है कि कांग्रेस के कर्णधार अब वह ही माने जा चुके हैं।

कांग्रेस ने हिमाचल में सुक्खू को केवल मुख्यमंत्री नहीं बनाया, बल्कि वीरभद्र सिंह का युग पूरी तरह बदला है। सियासत के हर मोर्चे पर कांग्रेस आलाकमान ने हिमाचल के सारे मायने, पसंद और प्राथमिकताएं सुखविंदर सिंह सुक्खू से जोड़ी हैं और यह संगठन से सरकार के हर ओहदेदार को बाखूबी समझा दिया गया है। सुक्खू के उद्भव में केजरीवाल सरीखे संदर्भ और संघर्ष रहे हैं, जिनकी छवि के तहत इन दोनों नेताओं का साम्राज्य दिखाई दे रहा है, फिर भी हिमाचल के संदर्भ में मुख्यमंत्री के लिए लोकसभा व छह उपचुनाव टर्निंग प्वाइंट होंगे। अगर इस बाधा को सुक्खू पचास फीसदी भी पार कर लेते हैं, तो कांग्रेस में उनका कद केजरीवाल से तुलना करेगा। हालांकि कुछ हद तक वर्तमान मुख्यमंत्री ने अपनी शासन प्रणाली में ताजगी व अभिनव प्रयोग करते हुए ऐसे संकेत दिए हैं कि उन्हें मौका मिले तो हिमाचल के सियासी व आर्थिक आधार को बदलेंगे। व्यवस्था परिवर्तन के नारे पर उनकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन यह घोषित जरूर करता है कि इस बंदे में जिद्द तो है। यह दीगर है कि जिद्द का सत्ता में उपयोग दोधारी तलवार है। सरकार को चलाने में उन्होंने अपनी काबिलीयत को परिमार्जित किया है, लेकिन राजनीति को चमकाने में अभी परीक्षा बाकी है। सुखविंदर सुक्खू ने अब तक जो हासिल किया है, उसके बदौलत वह भी सीधे मोदी के चमत्कार से भिड़ते हुए नजर आ रहे हैं। कांग्रेस की आधी गारंटियां किसी तरह पूरी करने के अभ्यास व प्रयास में वह पूरी तरह सफल हैं, लेकिन पर्वत की अपेक्षाओं में सरकारों की कर्जदारी एक बड़ा अपराध है। इसमें दो राय नहीं कि आपदा प्रबंधन में मुख्यमंत्री ने मानवता के साथ-साथ राज्य व केंद्र के संबंधों का खोट भी बताया है। कहीं केंद्र में सत्ता परिवर्तन हो जाए या वर्तमान सरकार का स्वरूप बदल जाए, तो सुक्खू हिमाचल के रास्तों पर संभावनाओं के दरख्त उगा सकते हैं, लेकिन वक्त की सियासी कहानियों से ऊपर उठकर वह किस तरह खुद को सर्वमान्य व निरंकुश होने के आरोपों से मुक्त होते हैं, देखना अभी बाकी है।

चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2023-24 में कुल निर्यात रिकॉर्ड ऊंचाई पर

परिवहन विशेष न्यूज

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक गत मार्च में 41.6 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात रहा जो पिछले साल मार्च के मुकाबले 0.67 प्रतिशत कम है। मार्च के आयात में भी कमी रही। इस साल मार्च में 57.28 अरब डॉलर जबकि पिछले साल मार्च में 60.92 अरब डॉलर का आयात किया गया था। आयात में कमी से कुल व्यापार घाटे में 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 में वैश्विक स्तर पर तमाम चुनौतियों के बावजूद देश का कुल निर्यात 776.68 अरब डॉलर का रहा जो अब तक का सर्वाधिक है। इससे पूर्व के वित्त वर्ष 2022-23 मे कुल निर्यात 776.40 अरब डॉलर का था। कुल निर्यात को नए मुकाम तक पहुंचाने में सेवा निर्यात का अहम योगदान रहा।

आयात में कमी से व्यापार घाटा भी हुआ कम

गत वित्त वर्ष 2023-24 में सेवा निर्यात 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 339.62 अरब डॉलर का रहा जबकि वस्तु निर्यात 3.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 437 अरब डॉलर तक पहुंच सका। गत वित्त वर्ष 23-24 में कुल आयात 854.80 अरब डॉलर का रहा जबकि पूर्व के वित्त वर्ष 22-23 में 898 अरब डॉलर का आयात किया गया था। आयात में कमी से कुल व्यापार घाटे में 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

वस्तु निर्यात में भी हो रही सकारात्मक बढ़ोतरी

वस्तु निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, इंजीनियरिंग गुड्स, ड्रग्स व फार्मा, लौह अयस्क, यार्न व फैबरिक, फल-सब्जी जैसे उत्पादों के निर्यात का प्रदर्शन बेहतर रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बताया कि गत वित्त वर्ष में यूक्रेन-रूस युद्ध, लाल सागर व्यववधान, पनामा रूट पर दिक्कत के साथ वैश्विक स्तर पर मंदी के बावजूद हमने अब तक का रिकार्ड निर्यात किया। उन्होंने कहा कि वस्तु निर्यात में जरूर गिरावट हो रही थी, लेकिन अब हम वस्तु निर्यात में भी सकारात्मक बढ़ोतरी की ओर बढ़ रहे हैं।

तेजी से की जा रही नए बाजार की तलाश

विश्व व्यापार संगठन व अन्य एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक व्यापार गत वित्त वर्ष से अधिक रहने का अनुमान लगाया है जिसका फायदा भारत को भी मिलेगा। इसके अलावा भारत तेजी से नए बाजार की तलाश कर रहा है। इस साल 18 देशों के आर्थिक विकास की दर पिछले साल से अधिक रहने का अनुमान है।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक गत मार्च में 41.6 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात रहा जो पिछले साल मार्च के मुकाबले 0.67 प्रतिशत कम है। मार्च के आयात में भी कमी रही। इस साल मार्च में 57.28 अरब डॉलर जबकि पिछले साल मार्च में 60.92 अरब डॉलर का आयात किया गया था।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक गत वित्त वर्ष में भारत के प्रमुख निर्यात बाजार में अमेरिका, यूएई, ईयू, ब्रिटेन, सिंगापुर, मलेशिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड, चीन व जर्मनी शामिल हैं।

ईरान-इजरायल संकट का असर, सोना 300 रुपये तो चांदी के भाव 500 रुपये बढ़े

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में तेजी के चलते सोमवार को देश की राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत में 300 रुपये बढ़ गई। इसके साथ ही सोने की कीमत 73,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। यह जानकारी HDFC Securities ने दी है। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान सोने की कीमत 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।

चांदी की कीमत में भी तेजी

चांदी की की कीमत में भी 500 रुपये की बढ़त देखने को मिली है। इस तेजी के साथ सोमवार को सिल्वर 85,700 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया। इससे पहले इसकी कीमत 85,200 रुपये प्रति किलो थी।

HDFC Securities में सीनियर कमोडिटी एनालिस्ट सौमिल गांधी ने बताया कि यह तेजी विदेशी बाजार से मिले रुझान के चलते देखने को मिली है। सोमवार को राजधानी दिल्ली में सोना (24 कैरेट) 300 रुपये की तेजी के साथ 73,050 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

इंटरनेशनल मार्केट में भी तेजी

इंटरनेशनल मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमत में बढ़ोत्तरी देखने को मिली। सौमिल गांधी आगे बताते हैं कि ईरान और इजरायल के बीच चल रहे तनाव के चलते भी सोने की कीमत में यह तेजी देख रही है। युद्ध की आशंका के बीच निवेशक की जगह सर्राफा जैसी सुरक्षित माने जाने वाली कमोडिटी पर जमकर खरीदारी कर निवेश के जोखिम को कम कर रहे हैं।

RBI ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को दिया निर्देश, कहा लोन संबंधी सभी प्रमुख तथ्यों का दें विवरण

परिवहन विशेष न्यूज

आरबीआई ने कहा कि विभिन्न रेगुलेटेड इकाइयों की ओर से पेश किए जा रहे वित्तीय उत्पादों पर पारदर्शिता बढ़ाने और सूचना में भिन्नता को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। केएफएस लोन समझौते के मुख्य तथ्यों का एक विवरण है जिससे समझौते को सरल और आसान भाषा में समझा जा सकता है। इसे लोन लेने वालों को एक मानक रूप में प्रदान किया जाता है।

नई दिल्ली। आरबीआई ने सोमवार को सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया कि वे लोन लेने वाले खुदरा ग्राहकों और एमएसएमई को एक अक्टूबर से सभी प्रमुख तथ्यों का विवरण (केएफएस) उपलब्ध कराएं। इसमें लोन समझौता नियमों से लेकर ब्याज की लागत शामिल है। अभी वाणिज्यिक बैंकों, आरबीआई रेगुलेटेड डिजिटल कर्ज देने वाली इकाइयां (आरई) और माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से खुदरा लोन लेने वाले लोगों को प्रमुख तथ्यों का विवरण दिया जाना अनिवार्य है।

सभी प्रमुख तथ्यों का विवरण दें बैंक

आरबीआई ने कहा कि विभिन्न रेगुलेटेड इकाइयों की ओर से पेश किए जा रहे वित्तीय उत्पादों पर पारदर्शिता बढ़ाने और सूचना में भिन्नता को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। केएफएस लोन समझौते के मुख्य तथ्यों का एक विवरण है जिससे समझौते को सरल और आसान भाषा में समझा जा सकता है। इसे लोन लेने वालों को एक मानक रूप में प्रदान किया जाता है।

आरबीआई ने कहा है कि सभी वित्तीय संस्थानों को इन नियमों का पालन करने के लिए आवश्यक प्रणाली और लागू करने के संबंध में गाइडलाइंस जल्द लागू करनी होंगी। नए नियम एक अक्टूबर के बाद लिए जाने वाले सभी नए और मौजूदा ग्राहकों की ओर से लिए जाने वाले लोन पर लागू होंगे।

आरबीआई का कहना है कि थर्ड पार्टी सेवा प्रदाता के पक्ष में लिए जाने वाले किसी भी शुल्क की सूचना भी अलग से दी जाए। यह नियम क्रेडिट कार्ड पर लागू नहीं होंगे।

बढ़ जाएगा EMI कम होने का इंतजार? कहीं RBI को...

ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ने से वैश्विक स्तर पर जोखिम काफी बढ़ गया है। इससे ना सिर्फ कई नए आर्थिक संकट आने की आशंका है बल्कि आपकी EMI कम होने का इंतजार भी लंबा खिंच सकता है। इकोनॉमिक एक्सपर्ट का मानना है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते संकटों को देखते हुए RBI ब्याज दरों में कटौती करने के लिए ज्यादा वक्त ले सकता है।

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद ईरान और इजरायल के बीच भी तनाव बढ़ने से वैश्विक स्तर पर जोखिम काफी बढ़ गया है। इससे ना सिर्फ कई नए आर्थिक संकट आने की आशंका है, बल्कि आपकी EMI कम होने का इंतजार भी लंबा खिंच सकता है।

दरअसल, इकोनॉमिक एक्सपर्ट का मानना है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते संकटों को देखते हुए RBI ब्याज दरों में कटौती करने के लिए ज्यादा वक्त ले सकता है।

ब्याज दरों में कटौती में देरी क्यों होगी?

ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज का कहना है कि आर्थिक नजरिए से कई चीजें गड़बड़ हो रही हैं। जैसे कि कच्चे तेल का दाम बढ़ रहा है और अमेरिका में भी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती के मूड में नहीं दिख रहा। साथ ही, महंगाई में भी लगातार उतार-चढ़ाव बरकरार है।

हालांकि, इन वैश्विक चुनौतियों के बावजूद कोटक ने ब्याज दरों में कटौती का अपना पुराना अनुमान बरकरार रखा है। कोटक का मानना है कि रिजर्व बैंक (RBI) की वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर सकता है।

महंगाई बनेगी बड़ी चुनौती

ब्रोकरेज फर्म कोटक का कहना है कि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में औसत महंगाई पांच प्रतिशत से अधिक रह सकती है। इसकी कई वजहें हैं। एक तो खाद्य महंगाई में लगातार उतार-चढ़ा हो रहा है। तेल निर्यातक संगठन ओपेक क्रूड ऑयल की सप्लाई में कटौती कर रहा, जिससे कीमतों में उछाल आ रहा है।

रियल एस्टेट में प्राइवेट इक्विटी निवेश 16 प्रतिशत घटा, 3.67 अरब डॉलर रहा पीई इन्वेस्टमेंट

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में प्राइवेट इक्विटी (पीई) निवेश में 16 प्रतिशत की गिरावट रही है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट एनराक के अनुसार, पिछले वर्ष रियल एस्टेट में पीई निवेश 3.67 अरब डॉलर रहा है।

कंसल्टेंट का कहना है कि विदेशी निवेशकों की कम भागीदारी के चलते कुल पीई निवेश में कमी आई है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र को 4.35 अरब डॉलर का पीई निवेश मिला था, जो 2021-22 के दौरान 4.23 अरब डॉलर था।

घरेलू निवेशकों का पीई बढ़ा

एनराक कैपिटल के एमडी और सीईओ शोभित अग्रवाल ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में कुल पीई निवेश में विदेशी पूंजी की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रही है जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 76 प्रतिशत थी। पिछले वर्ष घरेलू निवेशकों का पीई निवेश 29 प्रतिशत बढ़ा है। 2022-23 में घरेलू निवेशकों के पीई निवेश में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही थी।

पिछले वर्ष की बात करें तो शेयर इक्विटी डील 66 प्रतिशत और डेब्ट 32 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2014 में 57 प्रतिशत वैल्यू शेयर के साथ पीई ट्रांसजैक्शन हावी रहा था। कंसलटेंट ने कहा कि यह काफी हद तक GIC-Brookfield REIT डील के कारण था, जो पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल ट्रांसजेक्शन का लगभग 40 प्रतिशत था।

सालाना 17 प्रतिशत की गिरावट

शोभित अग्रवाल आगे कहते हैं कि रेजिडेंशियल रियल एस्टेट में पीई इन्वेस्टमेंट की हिस्सेदारी लगातार 28 प्रतिशत रही है। वैल्यू के हिसाब से इसमें सालाना 17 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। यह वित्त वर्ष 2013 में बहुत हाई बेस के कारण है, जब निवेश पिछले वर्षों की तुलना में दोगुना हो गया था।

देश की सबसे बड़ी ईवी चार्जिंग कंपनी बनी टाटा पावर, 530 शहरों तक फैला नेटवर्क, जानिए शेयरों का हाल

टाटा पावर का ईवी चार्जिंग सॉल्यूशन देश के 10 करोड़ किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है। कंपनी का नेटवर्क 530 शहरों और कस्बों में फैला है। जो 86000 से ज्यादा होम चार्जर 5300 से ज्यादा पब्लिक सेमी-पब्लिक और फ्लीट चार्जिंग पॉइट के साथ 850 बस चार्जिंग स्टेशन उपलब्ध करवा रहा है। ये चार्जिंग प्वॉइंट हाईवे होटल मॉल हॉस्पिटल ऑफिस रेजिडेंशियल कॉम्प्लेस में लगाए गए हैं।

नई दिल्ली। टाटा पावर (Tata Power) देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर तेजी से बढ़ा रहा है। कंपनी ने बताया कि वह देश की पहली ईवी चार्जिंग सॉल्यूशन प्रोवाइडर है जिसकी सेवाओं का दायरा देश में 10 करोड़ किलोमीटर तक फैला है। कंपनी पब्लिक, सेमी-पब्लिक, फ्लीट और होम चार्जर सेगमेंट में सेवाएं देती है।

530 शहरों तक फैला है नेटवर्क

Tata Power का EV चार्जिंग नेटवर्क अभी देश के 530 शहरों और कस्बों में फैला है। टाटा पावर अपने नेटवर्क को EZ Charge नाम के साथ फैला रहा, जो 86,000 से ज्यादा होम चार्जर, 5,300 से ज्यादा पब्लिक, सेमी-पब्लिक और फ्लीट चार्जिंग पॉइट के साथ 850 बस चार्जिंग स्टेशन उपलब्ध करवा रहा है।

ये चार्जिंग प्वॉइंट हाईवे, होटल, मॉल, हॉस्पिटल, ऑफिस, रेजिडेंशियल कॉम्प्लेस में तैनात किए गए हैं। कंपनी का कहना है कि वे देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ग्रोथ के लिए पॉजिटिव अप्रोच के साथ आगे बढ़ रही है। वहीं, सरकार भी ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए FAME और नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन जैसी स्कीम चला रही है। उसका लक्ष्य 2030 तक देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत करना है।

बढ़ रही ईवी और ईवी इंफ्रा की मांग

इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, भारत में ईवी की एनुअल सेल 2030 तक एक करोड़ तक पहुंच सकती है। ईवी और ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग के चलते Tata Power अपने ग्राहकों के लिए टेक-इनेबल चार्जिंग सॉल्यूशन पेश कर रहा है। इनमें RFID कार्ड भी शामिल हैं, जो यूजर्स वायरलेस चार्जिंग के साथ टैप-चार्ज-गो जैसी सुविधा दे रही है।

Tata Power के शेयरों का हाल

टाटा पॉवर का शेयर सोमवार को 1.25 प्रतिशत गिरावट के साथ 431.50 रुपये पर पहुंच गया है। पिछले एक साल कंपनी के शेयरों ने निवेशकों को 119.09 प्रतिशत का मुनाफा दिया है। इसके साथ ही बात करें पिछले पांच साल की तो टाटा पावर ने 535.49% का लाभ दिया है।

रिलायंस कैपिटल के ऑडिटर्स पर 4.5 करोड़ का जुर्माना, आंकड़ों के साथ किया था ये

नई दिल्ली। नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (NFRA) ने साल 2018-19 में Reliance Capital के वित्तीय कामकाज का ऑडिट करने वाली एक कंपनी और दो ऑडिटर्स पर 4.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। NFRA ने इन सभी को प्रोफेशनल मिसकंडक्ट यानी अपने पेशे से विश्वासघात करने और भरोसा तोड़ने का दोषी पाया है।

किन ऑडिटर्स पर लगा है जुर्माना

NFRA ने पाठक HD & एसोसिएट्स पर 3 करोड़ का फाइन लगाया है। वहीं, परिमल कुमार झा को 1 करोड़ और विशाल डी शाह को 50 लाख रुपये का जुर्माना देना होगा। साथ ही, झा 10 साल और शाह 5 साल तक किसी भी कंपनी ऑडिट नहीं कर सकेंगे।

इस कंपनी की लगी 'लॉटरी', वंदे भारत ट्रेनों के लिए मिला करोड़ों का ऑर्डर; शेयर भी सरपट दौड़े

वंदे भारत ट्रेन के लिए ऑर्डर मिलने के बाद कंपनी के शेयरों में अच्छी वृद्धि देखी गई है। 15 अप्रैल को रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड के शेयरों में लगभग 3 फीसदी की तेजी आई। आज कंपनी का शेयर 2.6 प्रतिशत बढ़कर 706.80 पर बंद हुआ। पिछले एक साल में कंपनी ने 129 प्रतिशत का मुनाफा दिया है। कंपनी अमेरिका मैक्सिको तुर्की और बेल्जियम जैसे देशों में भी व्यापार करती है।

नई दिल्ली। रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड को वंदे भारत ट्रेन के लिए 270 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में सोमवार को बताया कि उसे वंदे भारत ट्रेन सेट के बोगी फ्रेम की सप्लाई के लिए BHEL के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम से 270 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। RKFL ने एक बयान में कहा कि परियोजना के दायरे में वंदे भारत ट्रेन सेट के स्लीपर संस्करण के लिए बोगी फ्रेम का डेवलपमेंट और वेरिफिकेशन शामिल है।

मिला 270 करोड़ रुपये का ऑर्डर

जानकारी के मुताबिक इस ऑर्डर में 32 ट्रेन सेट शामिल हैं, जिनमें से हर एक ट्रेन में 16 कोच हैं और आरकेएफएल कुल 1,024 बोगी फ्रेम का उत्पादन करेगा। बयान में कहा गया है कि 270 करोड़ रुपये का ऑर्डर बीएचईएल टीआरएसएल कंसोर्टियम को आपूर्ति किया जाना है।

रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक और CFO ललित कुमार खेतान ने कहा कि प्रतिष्ठित ऑर्डर हासिल करना उत्कृष्टता और नवीन दृष्टिकोण की हमारी निरंतर खोज का एक संकेत है। हम 'मेक इन इंडिया' और रेल परिवहन की उन्नति का समर्थन करते हैं।

शेयरों में आई तेजी

इस ऑर्डर के बाद कंपनी के शेयरों में अच्छी वृद्धि देखी गई है। 15 अप्रैल को ऑर्डर मिलने के बाद रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड के शेयरों में लगभग 3 फीसदी की तेजी आई। आज कंपनी का शेयर 2.6 प्रतिशत बढ़कर 706.80 पर बंद हुआ। पिछले एक साल में कंपनी ने 129 प्रतिशत का मुनाफा दिया है।

कोलकाता स्थित रामकृष्ण फोर्जिंग्स कंपनी स्क्रू कपलिंग, बोल्स्टर सस्पेंशन, साइड फ्रेम कीज और रेलवे कोच और वैगन के लिए ड्रा गियर का उत्पादन करती है। कंपनी अमेरिका, मैक्सिको, तुर्की और बेल्जियम जैसे देशों में भी व्यापार करती है।

घर से मतदान कर बुजुर्गों के चैहरे पर छाई खुशी, 102 वर्षीय मतदाता ने डाला वोट

परिवहन विशेष न्यूज

शाहपुरा। लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए रविवार से 85 वर्ष से अधिक एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता रखने वाले मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की शुरूआत हुई। होम चोटिंग के जरिये मतदान करने के बाद मतदाताओं ने लोकतंत्र में अपनी हिस्सेदारी होने पर खुशी जाहिर की। प्रभारी अधिकारी, डाक मतपत्र प्रकोष्ठ राजकेश गीना, उपखण्ड अधिकारी फूलियाकलां ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 85 वर्ष से अधिक उम्र वाले मतदाताओं तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को रविवार से होम वोटिंग की सुविधा मुहैया कराई गई है. इस प्रक्रिया में मतदान दलों ने पात्र मतदाताओं के घर-घर जाकर पोस्टल बैलेट के माध्यम से बुजुर्गों का मतदान करवाया. उन्होंने बताया कि होम वोटिंग के दौरान मतदाताओं एवं दिव्यांगजनों में मतदान के प्रति उत्साह नजर आया. इस दौरान मतदाताओं ने अपने-अपने अनुभव साझा किए और होम वोटिंग की सुविधा के लिए निर्वाचन आयोग को धन्यवाद दिया.।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 181 शाहपुरा में रविवार को कुल 120 मतदाताओं में से 115 ने मतदान किया।

ज़िला कलेक्टर ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बनेडा का औचक निरीक्षण

परिवहन विशेष न्यूज

शाहपुरा। जिलेवासियो को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने तथा मरिजो के रोग की जाँच व उपचार में किसी भी प्रकार की देरी ना होने देने के उद्देश्य से जिला कलक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को बनेडा के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर शेखावत ने सफ़ाई व्यवस्था दुरुस्त ना होने पर नाराज़गी जतायी तथा सीएचसी में स्वच्छता का अभाव पाये जाने पर वहाँ मौजूद संबंधित कर्मचारियों को सीएचसी में पूर्णतःस्वच्छता सुनिश्चित करने को लेकर दिशा निर्देश प्रदान किए।

जिला कलक्टर ने अस्पताल में मरीजों से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा अस्पताल में दिए जा रहे उपचार संबंधी फीडबैक लिया।

भाजपा की सरकार ने दिया चम्बल परियोजना को मूर्त रूप : अग्रवाल

परिवहन विशेष न्यूज

भीलवाडा। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल आज जहाजपुर विधानसभा के दौरे पर रहे। जहां उन्होंने कई सभाओं को सम्बोधित किया एवं साथ ही नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया।

लोकसभा मीडिया प्रभारी विनोद झुर्रानी ने बताया कि भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल ने कोटड़ी सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि चम्बल परियोजना को मूर्त रूप देकर भाजपा सरकार के माध्यम से चम्बल की पाईपलाईन की वित्तीय स्वीकृति स्वीकृत करवाकर भीलवाड़ा वासियों को पेयजल समस्या से निजात दिलाकर चम्बल के पानी को सुगम तरीके से पहुंचाया। तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुधरा राजे सिधिया एवं जलदाय मंत्री स्व. किरण माहेश्वरी ने सन-2012 में चम्बल परियोजना का लोकार्पण कर भीलवाड़ावासियों का चम्बल का पानी उपलब्ध करवाया।

विधायक गोपीचन्द मीणा ने सभा को सम्बोधित करते हुये वर्तमान राजस्थान सरकार चम्बल परियोजना द्वितीय फेस के लिये जल्द ही 295000 घरों को चम्बल का पानी मुहैया करवायेगी।

लोकसभा प्रत्याशी ने जहाजपुर विधानसभा की बनका खेड़ा, सवाईपुर, लसाड़यिा, सातोला का खेड़ा, कोटड़ी, रासेड़, आसोप, दांतड़ा, कोठाज, पारोली, रोपा, हाडोला चौराहा, बावडी, टिटोडी, गंधेर, पण्डेर पंचायतों में सभाओं का आयोजन कर आमजन से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की व सघन जन सम्पर्क किया।

जन सम्पर्क के दौरान कन्हैयालाल जाट, कोटड़ी प्रधान करण सिंह बेलवा, धर्मीचन्द जीनगर, प्रहलाद सेन, रामपाल शर्मा, लादूलाल तेली, शंकर गुर्जर, अभिजीत सिंह बदनोर, बद्री गुरूजी, बृजराज कृष्ण उपाध्याय, रमेश नवहाल, जमनालाल डीडवानियां, वैदप्रकाश खटीक, रामप्रसाद टांक, कैलाश सुथार, शिवलाल जाट, योगेन्द्र छापडेल, अशोक शर्मा, देबीलाल बैरवा, ओम पाराशर, राजानुज सारस्वत, कैलाश सुवालका सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भू-सूचना विज्ञान के छात्रों का अहमदाबाद अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान इसरो में शैक्षणिक भ्रमण

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

संगम विश्वविद्यालय के भू-सूचना विज्ञान विभाग के छात्रों को अहमदाबाद में प्रतिष्ठित अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान का ज्ञानवर्धक और समृद्ध भ्रमण कराया गया। विभाग प्रमुख डॉ. लोकेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में इस यात्रा ने छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दुनिया में गहराई से जाने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।भ्रमण में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की प्रसिद्ध शाखा, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएसई) का दौरा शामिल था। छात्रों को विशेषज्ञ सत्रों में भाग लेने, अनुभवी वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करने और उपग्रहों और लॉन्चिंग वाहनों की मनोरम दुनिया में डूबने का सौभाग्य मिला। छात्रों को एक सहज अनुभव प्रदान कराया गया, जिससे यह सुनिश्चित किया गया कि उन्हें भू-सूचना विज्ञान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त हो। यह भ्रमण न केवल शैक्षणिक था बल्कि उभरते वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी था।इस भ्रमण को आदरणीय कुलपति प्रो. करुनेश सक्सेना, प्रो-प्रेसिडेंट प्रो. मानस रंजन पाणिग्रही, रजिस्ट्रार प्रोफेसर राजीव मेहता और डीन प्रो. प्रीति मेहता सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों से समर्थन और प्रोत्साहन मिला। छात्रों के उत्साह के प्रति उनकी अटूट प्रेरणा और सराहना ने भ्रमण को शानदार सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।यह यात्रा छात्रों के लिए एक यादगार और परिवर्तनकारी अनुभव साबित होगी, जिसमे भू-सूचना विज्ञान के क्षेत्र में अन्वेषण और खोज के लिए उनके जुनून को आगे बढ़ाने में सहायक होगा।

इंजीनियर गुरबख्श सिंह शेरगिल को सर्वसम्मति से सब अर्बन सर्कल का अध्यक्ष नियुक्त किया

परिवहन विशेष न्यूज

दिनांक 15/4/2024 सोमवार को एसीपीए मंडल पश्चिम की मासिक बैठक अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिक्का के नेतृत्व में पश्चिम मंडल जीटी रोड पर हुई, जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्टेट बॉडी जितिंदर लखनपाल, प्रेस सचिव हरभजन सिंह एवं सेवानिवृत्त बैठक में एईई सुपरिटेंडेंट इंजीनियर जेपी सिंह औलख और अन्य पेंशनभोगी कर्मचारी विशेष रूप से शामिल हुए, इस बैठक में सर्वसम्मति से इंजीनियर गुरबख्श सिंह शेरगिल को सब अर्बन सर्कल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, इसके अलावा महासचिव अशोक पुरी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष रतन सिंह घई को नियुक्त किया गया, इस अवसर पर सीएचडी सेवानिवृत्त सोनी, सुदर्शन कुमार, अनुप सिंह लोपोके, एसडीओ संतोख सिंह, प्यारा सिंह जई और अन्य पेंशन भोगी कर्मचारी उपस्थित थे।

जटणी बिधानसभा खेत्र से कोंग्रेस नेता सुर राउतराय की पारी अंत

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भूबनेश्वर : कांग्रेस से सूर की पारी का अंत।2024 में कांग्रेस ने सूर राउतराय की जगह शांतोष जेना को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने 44 साल तक गढ़ बरकरार रखा।1980 से सुरेश राउतराय जाटनी से लड़ते आ रहे हैं।सुर 6 बार विधायक रह चुके है।विधायक सूर राउतराय को कांग्रेस से किया जा सकता है निलंबित। पूरी संभावना है कि एआईसीसी जल्द ही कोई फैसला लेगी।सुरेश राउतराय के छोटे बेटे मन्मथ राउत्राय बीजेडी में शामिल होने और सांसद उम्मीदवार बनने के बाद कांग्रेस उनकी गतिविधियों से परेशान है।

उन्होंने कांग्रेस में अपने बेटे मन्मथ राउत्राय के लिए प्रचार किया। इसके बाद उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके जवाब में सूर ने कहा कि भुवनेश्वर लोकसभा के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के लिए प्रचार नहीं करेंगे। सूर के खिलाफ अनुशासन समिति की रिपोर्ट दिल्ली भेज दी गई है।

पीसीसी अध्यक्ष शरत पटनायक ने कहा कि फैसला आलाकमान लेगा. 2019 के चुनाव में, सुरेश रौथराई 68 हजार 895 वोटों से जीते, जटनी से BJJ उम्मीदवार विभु भूषण बलबंटाराय से हार गए।

महंत मोहन शरण महाराज ने किया परशुराम जयंती के पोस्टर का विमोचन

परशुराम जन्मोत्सव को लेकर युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ संस्थान के सदस्यों ने महंत शास्त्री से करवाया पोस्टर विमोचन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। सर्व ब्राह्मण धर्मप्रेमी भक्तजनों के आराध्यदेव भगवान परशुराम महाराज के जन्म जन्मोत्सव को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा हैं। जन्मोत्सव को लेकर ब्रम्हजन नाना प्रकार के आयोजन की तैयारियों में जुट गए हैं। कुछ इसी को लेकर आज युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ संस्थान के सदस्यों ने मिलकर संस्थान की राजस्थान प्रदेशाध्यक्षा एवं गुजरात महिला प्रकोष्ठ प्रभारी नीलम शर्मा एवं राजस्थान ब्राह्मण महासभा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा के नेतृत्व में ग़ांधी नगर निम्बार्क आश्रम के महंत व संस्थान के राष्ट्रीय संरक्षक महंत मोहन शरण शास्त्री ने परशुराम महाराज के जन्मोत्सव कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन किया।

परशुराम सेवा संस्थान के सचिव विकास व्यास ने बताया कि जन्मोत्सव पारदर्शी तरीके से मनाया जाएगा जिसमें 9 मई को शाम 5 बजे से 7 बजे तक विशाल वाहन रैली व इसके पश्चात सामूहिक स्नेहभोज होगा वही 10 मई को प्रातः 7 बजे से शाम 7 बजे तक विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ संस्थान भीलवाड़ा के अध्यक्ष कमलेश पालीवाल व सुनीता व्यास ने आगामी 9 व 10 मई को दो दिवसीय भगवान परशुराम महाराज के जन्मोत्सव को लेकर अधिक से अधिक विप्रबन्धुओ को कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आव्हान किया हैं। इससे पूर्व संस्थान की प्रदेशाध्यक्षा नीलम शर्मा के नेतृत्व में संस्थान के राष्ट्रीय सरंक्षक महंत मोहन शरण शास्त्री ने अपरान्ह 4 बजे निम्बार्क आश्रम परिषर में संस्थान के सभी सदस्यों की मौजूदगी में भगवान परशुराम सेवा संस्थान द्वारा बनाई गई परशुराम जन्मोत्सव सेवा समिति का समर्थन करते हुए आगामी 9 व 10 मई को जन्म जन्मोत्सव के कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन कर संस्थान की प्रदेशाध्यक्षा नीलम शर्मा को गुजरात राज्य की महिला प्रकोष्ठ प्रभारी बनाये जाने पर संस्थान की महिलाओं ने पुष्पमाला व मेवाड़ी पगड़ी पहना तो पुरुषों ने शॉल ओढ़ाकर स्वागत सम्मान भी किया।

इस अवसर पर गोपाल सुखवाल, सत्यनारायण व्यास, विकास व्यास, रवि गर्ग, दिलीप पालीवाल, पंचानन गर्ग, भंवर लाल शर्मा, मुरलीधर व्यास, विनोद ओझा, रतन लाल पारीक, आशीष जौशी, चंद्रशेखर शर्मा, नरेश ओझा, अनिल ओझा, अरविंद जौशी, राकेस आचार्य, नवीन जौशी, संजय झा, जानकी लाल सुखवाल, चितरंजन पांडे, विवेकानंद शर्मा के साथ ही महिलाओं में सुनीता सारस्वत, अंजू ओझा, सविता जौशी, सुमित्रा गर्ग, राजकुमारी गर्ग, ललिता जौशी, अपर्णा ओझा, वंदना गर्ग, सीमा शर्मा, सुमित्रा शर्मा, पिंकी शर्मा सहित संस्थान के सभी महिला पुरुष मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023